राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 14 जुलाई 2023 वर्ष–6,अंक–170 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

पासपोर्ट के बिना एयरपोर्ट पहुंचीं मौनी रॉय

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय बुधवार सुबह मुंबई पासपोर्ट पर स्पॉट हुईं। एयरपोर्ट एंट्रेंस पर पहुंचकर मौनी को याद आया कि वो पासपोर्ट घर भूल आई हैं। इसके बाद वो काफी देर तक परेशान होती दिखीं। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में मौनी ब्लू एंड व्हाइट आउटफिट में एयरपोर्ट पर नजर आईं। वो एंट्रेंस गेट पर वेट करती दिखीं। जब चेंकिंग पर उनका पासपोर्ट मांगा गया तो उन्होंने उसे अपने पर्स में ढूंढना शुरू कर दिया। काफी देर तक पर्स में पासपोर्ट ढूंढने के बाद वो पीछे पलटीं और पैपराजी को देखकर बोलीं- ॒हो गयाॅ पासपोर्ट भूल गई..॒ इसके बाद भी मौनी काफी देर तक अपने पर्स में पासपोर्ट ढूंढती रहीं। बाद में वो किसी से कॉल पर बात करती नजर आईं। वहीं सोशल मीडिया पर इस वीडियो के वायरल होने के बाद यूजर्स ने मौनी को ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, ॒पैपराजी को फोन करने के चक्कर में पासपोर्ट भूल गई होगी॒ वहीं एक अन्य ने कमेंट किया, 'कितना क्या क्या याद रखे बेचारी... मेकअप, हेयरड्रेस, बैग या फिर पार्सपोर्ट और इम्पॉर्टेंट पेपर्स' मौनी इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'द वर्जिन ट्री' की शूटिंग कर रही हैं।

बारिश, बाढ़ और भूस्खलन, उत्तराखंड में भी बरस रही 'आफत'

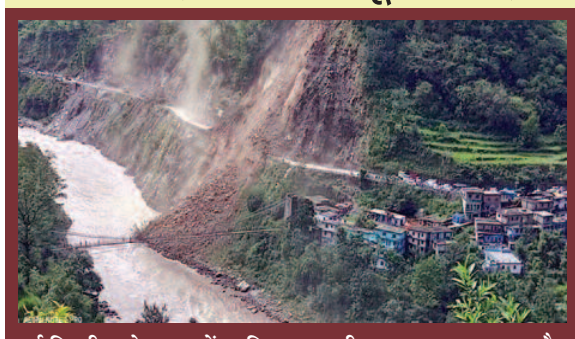

नई दिल्ली। देश भर में बारिश का दौर शुरू हो चुका है। खासकर उत्तर भारतीय राज्यों में जमकर बारिश हो रही है। वहीं, पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। इसी बीच मौसम विभाग ने बारिश को लेकर नई जानकारी दी है। जानकारी के अनुसार, उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण हरिद्वार समेत गढ़वाल और कुमाऊं मंडल की अधिकांश नदियों का जलस्तर खतरे के निशान को छू गया है। बांधों और जलाशयों में पानी खतरे के निशान के करीब है। हिमाचल में बारिश के बाद काफी नुकसान हुआ है। हिमाचल के कई जिलों में बारिश से बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है और कई जगह भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। हिमाचल प्रदेश के सीएम जगत सिंह नेगी ने कहा कि बारिश की वजह से नेशनल हाईवे को नुकसान पहुंचा है और पानी व बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। आईएमडी ने 13 जुलाई तक पूवोत्तर भारत और सिक्किम में अत्यधिक बारिश की चेतावनी जारी की। आईएमडी ने यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा की भविष्यवाणी की है। बारिश के कारण हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कुछ पर्यटक फंसे हुए हैं। दिल्ली में 15-16 जुलाई के बाद तेज बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में यमुना नदी बुधवार को 207 मीटर के निशान को पार करते हुए 10 वर्षों में उच्चतम रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। उत्तराखंड के हरिद्वार, गढ़वाल और कुमाऊं मंडल की अधिकांश नदियों का जलस्तर खतरे के निशान को छू गया है। रुद्रप्रयाग में भूस्खलन के कारण ऋषिकेश-बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग वाहन यातायात के लिए बंद कर दिया गया। हिमाचल में बाढ़ से अभी तक 80 लोगों की मौत हो चुकी है। हिमाचल प्रदेश में 470 पालतू पशुओं की मौत हुई है। हिमाचल में बारिश से 100 मकानें पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। पहाड़ से पत्थर गिरने की वजह से ऋषिकेश-बद्रीनाथ नेशनल हाइवे पर लंबा जाम लग गया है। उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश के कारण चमोली में पहाड़ी ढह गई। यमुना में बढ़े जलस्तर को लेकर सीएम केजरीवाल ने गृह मंत्री शाह को पत्र लिखा है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने चंद्रताल झील का हवाई निरीक्षण किया। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने जिला प्रशासन के साथ बैठक कर बारिश के कारण उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की।

सीएम बोले: यूपी में वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज की

संकल्पना को कर रहे साकार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि 2017 के पहले प्रदेश में मात्र 12 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे। आज यूपी में 45 जिलों में सरकारी मेडिकल कॉलेज हैं। 16 अन्य में निर्माण चल रहा है। 14 सरकारी और दो प्राइवेट। आज दो नए मेडिकल कॉलेज के लिए एमओयू हुआ है। उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज की संकल्पना को साकार करने की ओर बढ़ रहे हैं। यह न सिर्फ मेडिकल शिक्षा बल्कि स्वास्थ्य सुविधा गुणवत्तापूर्ण करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वे मिशन निरामया के तहत क्यूसीआई की ओर से नर्सिंग व पैरामेडिकल संस्थानों की रेटिंग व मऊ व शामली में निजी मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए अनुबंध कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मऊ और शामली में मेडिकल कॉलेज एक सपना था, जो अब साकार हो रहा है। यह वे जिले हैं, जहां पहले लोग जाने में डरते थे। मऊ माफिया के लिए जाना जाता था, शामली का भी यही हाल था। अब यहां क्वालिटी स्वास्थ्य और शिक्षा के साथ क्वालिटी इलाज भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि मिशन निरामया जो गत वर्ष शुरू किया गया था। आज देश का ब्रांड बना हुआ है। नर्सिंग और पैरामेडिकल बैक बोन होता है। मेडिकल शिक्षा की चर्चा तो की गई लेकिन नर्सिंग व पैरामेडिकल को भूल गए। कई जगह पर कॉलेज बिना इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकेल्टी के काम कर रहे थे।

श्रद्धा जैसा हत्याकांड

दिल्ली के गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के पास टुकड़ों में मिली महिला की लाश, बिखरे मिले अंग

नई दिल्ली। दिल्ली में श्रद्धा हत्याकांड जैसी एक और वारदात सामने आई है। दिल्ली के गीता कॉलोनी फ्लाईओवर इलाके के पास से एक महिला का शव मिला है। बताया जा रहा है कि शव कई टुकड़ों में काटा गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी है। फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो पाई है। जानकारी के मुताबिक, दो अलग-अलग स्थानों पर शव के अवशेष मिले हैं। दिल्ली पुलिस ने शव के कई टुकड़े मिलने के बाद जांच शुरू कर दी है। मौके पर फोरेंसिक टीम पहुंची है। पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया गया है। पुलिस को आज सुबह 9.15 बजे सूचना दी गई कि फ्लाइओवर के पास कुछ मानव अंग पड़े हैं। जिसके बाद पुलिस वहां पहुंची। अभी तक महिला की पहचान नहीं हो सकी है। महिला की उम्र 35 से 40 साल बताई जा रही है। सेंट्रल रेंज के ज्वाइंट सीपी परमादित्य ने बताया कि दो काले पॉलीथिन बैग मिले हैं। एक पॉलिथीन में कटा हुआ सिर रखा था और दूसरे में बॉडी के दूसरे हिस्से थे। लंबे बालों के आधार पर हम यह मान रहे हैं कि यह किसी महिला का शव है। अभी तक इसकी पहचान नहीं हो पाई है, जांच जारी है। बता दें कि श्रद्धा हत्याकांड ने पूरे देश को दहला दिया था। श्रद्धा को कथित रूप से उसके बॉयफ्रेंड आफताब ने मौत के घाट उतार दिया था। जिसके बाद आफताब ने श्रद्धा के शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए थे। आफताब ने श्रद्धा के शव के टुकड़ों को महरौली के जंगल समेत दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में फेंका था। इस मामले का खुलासा तब हुआ था जब श्रद्धा के पिता ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। करीब छह महीने बाद श्रद्धा की हत्याकांड खुला था। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

कैबिनेट से जन विश्वास विधेयक में संशोधन को मंजूरी!

संसदीय समिति ने केंद्र को दिए थे ये सुझाव

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक, 2023 को संभवतः मंजूरी दे दी। इसमें कारोबार सुगमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 42 अधिनियमों में 183 प्रावधानों में संशोधन कर छोटी-मोटी गड़बड़ियों को अपराध की श्रेणी से हटाने का प्रस्ताव किया गया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इसमें 19 मंत्रालयों से जुड़े 42 अधिनियमों के 183 प्रावधानों में संशोधन करने का प्रस्ताव है। सूत्रों ने कहा कि यह विधेयक बुधवार को मंत्रिमंडल की बैठक में चर्चा के लिए आया। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पिछले साल 22 दिसंबर को लोकसभा में जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक पेश किया था। इसके बाद विधेयक को विचार के लिये संसद की संयुक्त समिति के पास भेज दिया गया। समिति ने विधायी और विधि मामलों के विभागों के साथ-साथ सभी 19 मंत्रालयों के साथ विस्तृत चर्चा की है। रिपोर्ट को इस साल मार्च में अंतिम रूप दिया गया। उसी महीने उसे राज्यसभा और लोकसभा में पेश किया गया। संसदीय समिति ने केंद्र को कारोबार तथा जीवनयापन को सरल बनाने को बढ़ावा देने के लिये जन विश्वास विधेयक की तर्ज पर छोटे मामलों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिये राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया था। समिति ने कहा था कि सरकार को पिछली तिथि से प्रावधानों में संशोधन करना चाहिए। इससे अदालतों में लंबित मामलों को निपटान में मदद मिलेगी। समिति ने यह भी सिफारिश की थी कि मुकदमों में वृद्धि से बचने के लिये जहां भी संभव हो कारावास के साथ जुमार्ने को हटाकर नियम का उल्लंघन करने पर मौद्रिक दंड लगाया जाए। विधेयक में छोटे-मोटे अपराधों को अपराधमुक्त करने के प्रस्ताव के अलावा अपराध की गंभीरता के आधार पर मौद्रिक दंड को तर्कसंगत बनाने, भरोसे पर आधारित राजकाज को बढ़ावा देने का भी प्रस्ताव किया गया है। जिन अधिनियमों में संशोधन किये जाने का प्रस्ताव है, उनमें औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940, सार्वजनिक ऋण अधिनियम, 1944, फामेर्सी अधिनियम, 1948, सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952, कॉपीराइट अधिनियम, 1957; पेटेंट अधिनियम, 1970, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 , मोटर वाहन अधिनियम, 1988, ट्रेड मार्क्स अधिनियम, 1999, रेलवे अधिनियम, 1989, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000, मनी लॉड्रिंग निरोधक अधिनियम, 2002, खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 आदि शामिल हैं। ये 42 कानून विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों से संबद्ध हैं। इन मंत्रालयों में वित्त, वित्तीय सेवाएं, कृषि, वाणिज्य, पर्यावरण, सड़क परिवहन और राजमार्ग, डाक, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी शामिल हैं।

9 साल के मासूम से शिक्षक का 'इंतकाम', बच्चे को मीट काटने वाले चाकू से गोदा

नालंदा । नालंदा के बिहारशरीफ स्थित सिलाव थाना क्षेत्र के कड़ाह मोहल्ले में बुधवार की सुबह पड़ोस में रहने वाले एक शिक्षक ने 9 साल के बच्चे की निर्ममता से हत्या कर दी। आरोपित शिक्षक ने मीट काटने वाले चाकू से मासूम के शरीर पर 12 वार किए। मृतक मासूम की पहचान मोहम्मद शफीक के रूप में की गई है। वह चौथी क्लास में पढ़ता था। बताया गया कि बच्चा घर से खेलने के लिए निकला था। तभी टीचर ने उसे रोका और मीट काटने वाले चाकू से ताबड़तोड़ 12 वार कर दिए। आनन-फानन में बच्चे को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस की मानें तो नाली में पानी गिराने को लेकर पड़ोसी शिक्षक से बच्चे के परिवार का विवाद हुआ था। इसका बदला लेने के लिए उसने बच्चे की हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपित शिक्षक भागने लगा, लेकिन आसपास के लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। एसपी अशोक मिश्रा ने बताया कि आरोपित शिक्षक मो. फिरोज को गिरफ्तार कर लिया गया है। स्वजन ने बताया कि वो घर से खेलने के लिए निकला था। जैसे ही बाहर पहुंचा, पड़ोसी शिक्षक मोहम्मद फिरोज ने उस पर चाकू से ताबड़तोड़ हमले शुरू कर दिए। वह खून से लथपथ हो गया था।

यूपी सरकार की घोषणा

चारागाह भूमि से कब्जा मुक्ति के लिए चलेगा 45 दिन का अभियान, 25 अगस्त को होगा समापन

लखनऊ। पशुधन विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रदेश में चरागाह की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करते हुए उन पर नेपियर घास विकसित की जाएगी। इन्हें गोचर भूमि के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए 11 जुलाई से 25 अगस्त तक 45 दिन का विशेष अभियान शुरू कर दिया गया है। वह नियोजन भवन में पत्रकारों से विभाग की योजनाओं पर चर्चा कर रहे थे। पशुधन मंत्री ने कहा कि पशुधन विकास के लिए पशुपालन विभाग विभिन्न योजनाएं चला रहा है। पशुधन उत्थान वर्णसंकर केंद्र बरेली का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। यहां ब्राजील की एक टीम आकर भ्रूण प्रत्यारोपण का काम भी करेगी। इसके अलावा राष्ट्रीय गोकुल मिशन में नस्ल संवर्धन के लिए 4 करोड़ रुपए प्रति परियोजना की दर से 4 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। चरागाह की भूमि को कब्जा मुक्त कराने के लिए सभी मंडलों में टीमें तैनात कर दी गई हैं। इसके लिए गायों को लोगों को देने के लिए भी योजना शुरू की गई है । 25 गाय 2 एकड़ जमीन में रखने पर 23 लाख का अनुदान दिया जाएगा।

बागेश्वर वाले बाबा के कार्यक्रम में भगदड़, 10 घायल

ग्रेटर नोएडा । बागेश्वर वाले बाबा पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के दिव्य दरबार में बुधवार को भीड़ ज्यादा होने से भगदड़ मच गई। गर्मी-उमस होने से कई लोग बेहोश हो गए। 10 लोगों को गंभीर चोट लगने की भी सूचना है। सभी को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया है। बताया जा रहा है कि दिव्य दरबार में अर्जी लगाने की होड़ मची थी, भीड़ बेकाबू हो गई और अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान एक महिला करंट की चपेट में भी आ गई। बताया जा रहा है कि वीआईपी पास से पीछे छोटे से गेट से एंट्री करवाई जा रही थी, वहां पर बिजली के तार होने की वजह से एक महिला को करंट लगा है। बताया जा रहा है कि भगदड़ मचने की वजह से बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं ज्यादातर घायल हुई हैं। कुछ महिलाओं के सिर पर गंभीर चोट लगी है। एक महिला के आंख के ऊपर चोट आई है। तीन एंबुलेंस से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। बाबा के दिव्य दरबार में आयोजकों द्वारा लगाए गए तीनों पंडाल पूरी तरह से भरे थे। पंडाल के बाहर भी भक्तों की भीड़ लगी रही। बाबा के कार्यक्रम को लेकर बड़ी संख्या में श्स्क्ष्ठ पास जारी किए गए थे। लेकिन भीड़ को देखते हुए श्स्क्ष्ठ एंट्री को पहले ही बंद कर दिया गया। दोपहर 12 बजे से पहले ही दिव्य दरबार में पांच लाख से अधिक लोग पहुंच चुके थे। इसके बाद भी श्रद्धालुओं का दिव्य दरबार में आना लगातार जारी रहा। धीरेंद्र शास्त्री की एक झलक पाने के लिए कार्यक्रम स्थल पर हालात बेकाबू हो गए। स्थिति को देख पुलिस ने श्रद्धालुओं से दिव्य दरबार के समाप्त होने की बात कही। श्रद्धालुओं से घर जाने का अनुरोध किया। लोगों से कहा गया कि वे घरों से ही प्रवचन सुनें। टीवी पर उनका कार्यक्रम आ रहा है। इससे पहले दिव्य दरबार में पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- भारत में जितने भी हली-उल्लाह करने वाले हैं, वो सुन लें। अब तुम्हारी यह फूंकने और फेंकने वाले चमत्कार बंद हो जाएंगे। हम तुम्हारी ठठरी बांधने वाले हैं। अगर तुम में दम है तो कभी भी आ जाना, हम तुम्हारे बारे में इतना बताएंगे कि तुम अपनी लुगाई को भी मुंह नहीं दिखा पाओगे। जो लोग फूंक मारकर पाखंड करते हैं, वो ये सब बंद कर दें। सनातन से बड़ी कोई शक्ति नहीं है। जो लोग इसे अंधविश्वास मानते हैं और कहते हैं कि भगवान नहीं है, उन लोगों को मेरा खुला चैलेंज है, वह कभी भी आकर बात कर लें, उनकी पूरी पोल पट्टी खोल दूंगा।

संपादकीय

पानी-पानी राजधानी

जीवनदायिनी यमुना दिल्ली के लोगों को डरा रही है। वजह है यमुना का जल स्तर पिछले 45 साल के रिकॉर्ड को तोड़ रहा है। बुधवार शाम छह बजे यमुना का जल स्तर 207.55 मीटर तक पहुंच गया, जबकि दिल्ली में यमुना के खतरे का निशान 205.33 मीटर ही है। उस पर केंद्रीय जल आयोग की भविष्यवाणी डरा रही है कि बुधवार की रात को यमुना का जलस्तर 207.72 मीटर तक पहुंचने की आशंका है। निस्संदेह, यह दिल्ली वालों के लिये अच्छी खबर नहीं है। अब जब यमुना का पानी रिंग रोड व कश्मीरी गेट स्थित आईएसबीटी के निकट सड़कों तक पर दस्तक देने लगा है, तो दिल्ली सरकार के माथे पर भी चिंता की लकीरें उभर आई हैं। इससे दिल्ली का यातायात भी प्रभावित हो रहा है। यमुना के उफान को देखते हुए केजरीवाल सरकार ने एनडीआरएफ से मदद मांगी है। नदी के किनारों पर स्थित निचले स्थानों पर पहले ही बाढ़ जैसे हालात हैं और विस्थापितों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है। तटों की तरफ लोगों की आवाजाही रोकने के लिये धारा 144 लगाई गई है। संकट के बाबत मुख्यमंत्री ने विभिन्न प्रशासनिक व राहत से जुड़े विभागों की आपात बैठक बुलायी है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने केंद्रीय गृहमंत्री को भेजे पत्र में चिंता जाहिर की है कि हथिनी कुंड बैराज से ज्यादा पानी छोड़े जाने से यह संकट पैदा हुआ है। दिल्ली को बचाने के लिये छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा को कम किया जाये। उन्होंने चेताया है कि यदि बाढ़ आती है तो आने वाले दिनों में दिल्ली में होने वाले जी-20 शिखर की मेजबानी के चलते दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जायेगा। केंद्रीय गृहमंत्री को लिखे पत्र में केजरीवाल ने कहा है कि अगर तुरंत यमुना में हथिनी कुंड बैराज से छोड़े जा रहे पानी को नहीं रोका गया तो दिल्ली में हालात बिगड़ सकते हैं। निस्संदेह, हालात लोगों की फिक्र बढ़ाने वाले ही हैं। दरअसल, चिंता की बात यह भी है कि फिलहाल दिल्ली में बारिश नहीं हो रही है, लेकिन मौसम विभाग ने पंद्रह व सोलह जुलाई के लिये बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। जाहिर है कि यदि बारिश होती है तो समस्या जटिल हो सकती है। दिल्ली में पानी निकासी की समस्या खड़ी हो सकती है। दरअसल, वर्ष 1978 में जब यमुना का जल स्तर 207.49 हुआ तो दिल्ली को भारी बाढ़ का सामना करना पड़ा था। बताया जाता है कि तब बाढ़ से करीब 43 वर्ग किलोमीटर की कृषि भूमि जलमग्न हो गई थी। लाखों लोग बेघर हो गये थे। लेकिन तब यमुना के किनारे पुस्ते नहीं बनाये गये थे। इस बार के जल स्तर के अधिक होने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। बताते हैं कि केंद्र सरकार ने हथिनी कुंड बैराज का पानी रोकने में असमर्थता जाहिर की है। हालांकि हिमाचल आदि से पानी कम आ रहा है, लेकिन फिर भी पानी का जलस्तर बढ़ने की आशंका है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2010 में यमुना का जल स्तर 207.11 व वर्ष 2013 में जल स्तर 207.32 मीटर होने पर भी दिल्ली को बाढ़ का सामना करना पड़ा था। यमुना का पानी नोएडा-दिल्ली लिंक रोड पहुंचने से चिंता बढ़ गई है, जिसके मद्देनजर मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दिल्ली सचिवालय में सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाई है।

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।

मिथुन जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कर्क आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कन्या संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

शिखर सम्मेलन से भारतीय कूटनीति को संबल

जी. पार्थसारथी

मध्य एशिया में महत्वपूर्ण भूमिका रखना भारत के लिए एक जटिल किंतु रोचक कार्य रहा है। मुख्यत: इसलिए क्योंकि चीन की पश्चिमी सीमा से लेकर रूस के मध्य-दक्षिणी छोर तक फैले मध्य एशियाई देशों के साथ भारत की जलीय अथवा थलीय सीमाएं साझा नहीं हैं। भारत से मध्य एशिया तक पहुंचने का सबसे सुगम रास्ता फिलहाल ईरान से होकर है। शीत युद्ध की समाप्ति और सोवियत संघ के विघटन के बाद भारत ने सोवियत संघ के पूर्व घटक रहे चार मध्य एशियाई मुल्कों यानी कजाखस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गीज़स्तान और उजबेकिस्तान (और यह मुगल शासक बाबर का मूल स्थान भी है) के साथ संबंधों के महत्व को समझा। पहुंच मार्ग की मुश्किलें मध्य एशियाई गणराज्यों से आर्थिक और अन्य रिश्ते उतने प्रगाढ़ न होने के पीछे मुख्य वजह रही है। शंघाई सहयोग संगठन की स्थापना 15 जुलाई, 2001 को शंघाई में हुई थी। इसके सदस्यों में रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान (नया सदस्य) के अलावा उपरोक्त वर्णित चार मध्य एशियाई गणराज्य हैं। भारत को काफी संतोष है कि ईरान ने भी शंघाई सहयोग संगठन की सदस्यता ले ली है और भारत ने इसका स्वागत किया है। भारत और ईरान ने कुछ समय पहले संयुक्त रूप से चाहबहार बंदरगाह को विकसित करने का काम पूरा किया है। इस बंदरगाह से होकर भारत को मध्य एशिया तक पहुंचने की सीधी राह खुलती है और पाकिस्तान की जरूरत नहीं पड़ती। कोई हैरानी नहीं कि पाकिस्तान ने भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया से व्यापार के वास्ते पहुंच मार्ग की अनुमति देने में जानबूझकर देरी की या फिर इंकार करता आया है। लिहाजा भारत को मध्य एशिया से व्यापार के लिए ज्यादा महंगा और अधिक वक्त खपाने वाला व्यापारिक राह चुनना पड़ा। अब ईरान द्वारा शंघाई सहयोग संगठन की सदस्यता लेने के बाद चाहबहार बंदरगाह अब मध्य एशिया तक पहुंचने का न केवल भारत बल्कि अन्य देशों के लिए भी मुख्य आवाजाही केंद्र बनेगा। शंघाई सहयोग संगठन के मध्य एशियाई सदस्यों पर अभी भी रूस का काफी प्रभाव है और वहां रूसी भाषा काफी बोली जाती है। हालांकि चीन जटिल निर्माण कार्य एवं यातायात परियोजनाएं बनाने की दक्षता के बलबूते धीमे-धीमे किंतु दृढ़ता से रूस के इन पड़ोसियों पर अपना असर बढ़ाने में लगा है। चीन मध्य एशिया क्षेत्र के प्रचुर खनिज एवं तेल स्रोतों का दोहन करने में काफी दिलचस्पी ले रहा है। बेशक रूस-चीन के बीच फिलहाल 'भाई-भाई' वाला रिश्ता है, लेकिन इतना पक्का है कि रूस को अपने आस-पड़ोस में चीन का बढ़ता प्रभाव रास नहीं आने वाला, खासकर जब मामला मध्य एशियाई गणतंत्रों का हो या फिर उनके खनिज और तेल स्रोतों तक चीन की आसान पहुंच बनने का हो। शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन से साफ दिखता है कि रूस-चीन के मौजूदा संबंध किस दिशा में हैं।

भारत नयी दिल्ली में आगामी 9-10 सितम्बर को जी-20 शिखर सम्मेलन करवाने से पहले शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन का आयोजन एक सफल संगठनात्मक अभ्यास रहा है। वर्तमान संकेतों के मुताबिक इस शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सभी पांच स्थाई देश भाग लेंगे, इनके अलावा, उत्तर एवं दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, यूरोपियन यूनियन और अरब की खाड़ी की मुख्य आर्थिक शक्तियां भी भाग लेंगी। दुनिया के लिए यह अवसर इस दृष्टि से भी रोचक होगा कि राष्ट्रपति पुतिन और शी जिनपिंग के साथ राष्ट्रपति बाइडेन और उनके यूरोपियन यूनियन सहयोगी क्या एक मंच पर होंगे, बशर्ते शी जिनपिंग अपनी जगह किसी और को न भेजें। लेकिन शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के मामले में यह तय है कि नई दिल्ली का यह सम्मेलन दुनियाभर का ध्यान खींचेगा। सबसे अहम, भारत ने चीन द्वारा प्रायोजित बहुप्रचारित 'बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव' (जो पाक अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरती है) के प्रशंसा-प्रस्ताव के लिए हुए मतदान में अनुपस्थित रहने की त्वरित और दृढ़ प्रतिक्रिया दिखाई है क्योंकि भारत को एतराज है कि यह सड़क उस इलाके में बन रही है जिसको पाकिस्तान ने कब्जाया हुआ है। अगले ही दिन, ताइवान ने घोषणा कर दी कि वह मुम्बई में आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्र खोलने जा रहा है जो कि नई दिल्ली और चेन्नई के वर्तमान केंद्रों की अगली कड़ी है। चेन्नई के ताइवानी सांस्कृतिक केंद्र के कार्यक्षेत्र में श्रीलंका और मालदीव के अतिरिक्त दक्षिण भारत के अन्य सूबे और केंद्रशासित प्रदेश होंगे। हालांकि, भारत वास्तव में जो चाहता है, वह है, ताइवान के ज्ञान-भंडार से देश में सेमीकंडक्टर उत्पादन शुरू करना और जिसकी इकाइयां देशभर में बनें। शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन का परिणाम पूर्वानुमानित था। जाहिरा तौर पर, भारत को यह साफ करने की जरूरत थी कि आतंकवाद को पाकिस्तान का निरंतर संरक्षण होने के कारण ऐसे देश के खिलाफ सख्त कदम उठाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद प्रायोजक सत्ताओं की कड़ी निंदा की है। रोचक है कि चीन और रूस ने सम्मेलन में संवाद के लिए अंग्रेजी भाषा को दरकिनार करते हुए चीनी और रूसी भाषा को तरजीह दी है। तथापि भारत ने अंतर्राष्ट्रीय रिवायत के अनुसार अपना काम-काज अंग्रेजी भाषा में जारी रखना चुना। हालांकि मोदी का सम्मेलन को संबोधन हिंदी भाषा में रहा। यह शिखर सम्मेलन कोई ऐसा भी नहीं था कि धरती हिल उठती, लेकिन इससे छवि उभरती है कि चीन और रूस की जुगलबंदी क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मामलों पर अपना दृष्टिकोण हावी रखने का कोई अवसर नहीं छोड़ना चाहती।

यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस पर अमेरिकी एवं नाटो मुल्कों के अनवरत दबाव अंतत: रूस को मजबूर करते हैं कि वह मध्य एशियाई मुल्कों पर प्रभाव रखने के मामले में चीन की मर्जी अधिक चलने दे। यह स्थिति उन दिनों से एकदम अलहदा है जब बांग्लादेश युद्ध के समय रूस ने चीन को स्पष्ट चेतावनी दी थी कि वह दूर रहे। इसी बीच, रूस और दुनिया की ताकतें अब यह मानती हैं कि 2023 में भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होगी, जो कि भारत की विगत छवि से उलट है। इसी दौरान, पुतिन के नेतृत्व वाले रूस को यूक्रेन पर चढ़ाई की वजह से अमेरिका और नाटो सहयोगियों के बहुत ज्यादा दबावों का सामना करना पड़ रहा है। महत्वपूर्ण यह कि एससीओ सम्मेलन के संयुक्त वक्तव्य में उन देशों के नाम गिनाए गए, जो चीन की 'बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव' के हामी हैं। जाहिर है इस सूची में भारत का नाम नहीं था। इस परियोजना को लेकर भारत की चिंता जम्मू-कश्मीर में अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता न करने की वजह से है। नई दिल्ली के शिखर सम्मेलन से ऐन पहले राष्ट्रपति पुतिन ने खुद प्रधानमंत्री से बात की है और बातचीत में वेगनर गुट के विद्रोह का जिक्र भी आया, जिसको उन्होंने कुचल दिया है। उन्होंने मोदी को रूस का 'तगड़ा मित्र' बताया है, साथ ही उनकी आर्थिक नीतियों की भी प्रशंसा की। यह साफ है कि पुतिन के नेतृत्व वाला रूस यूक्रेन मामले पर भारत द्वारा दिखाई समझदारी का कायल है। परंतु ठीक इसी समय वह सैन्य, राजनयिक एवं आर्थिक सहायता के लिए शी जिनपिंग के नेतृत्व वाले चीन पर काफी निर्भर है। फिर यह चिंता भी बनी हुई है कि कहीं अमेरिका के नाना दबावों और यूक्रेन को नित नवीनतम हथियारों की अनवरत आपूर्ति से आजिज आकर रूस कम तीव्रता वाले परमाणु हथियार चलाने को मजबूर न हो जाए। उम्मीद करें कि यूक्रेन युद्ध में शामिल तमाम पक्ष इस पहलू को समझेंगे। लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

बोर्ड परीक्षाओं में बहुत ज्यादा अंक देने-मिलने के मायने

श्रीधर राजगोपालन, शिक्षाविद्

यह एक आम अनुभव है कि छात्र आज राज्य और राष्ट्रीय स्तर की बोर्ड परीक्षाओं में पहले की तुलना में अधिक अंक प्राप्त करने लगे हैं। इस 'ग्रेड मुद्रास्फीति' का प्रत्यक्ष परिणाम यह है कि पिछले कुछ वर्षों में कॉलेज प्रवेश के लिए कट-ऑफ लगातार बढ़ रही है। फौरी तौर पर ज्यादा अंक फायदे का सौदा लग सकते हैं, क्योंकि इससे छात्र, स्कूल, अभिभावक और राजनेता सभी खुश हो जाते हैं। फिर भी, कुल मिलाकर इसका शिक्षा-व्यवस्था पर दीर्घकालिक हानिकारक प्रभाव पड़ता है।

परीक्षा में मिलने वाले अंकों का लगातार बढ़ते जाना मतलब 'ग्रेड मुद्रास्फीति' एक अंतरराष्ट्रीय घटना है, पर भारत में स्थिति कुछ अनोखी है। भारत में प्राप्तांकों का बढ़ना बोर्डों के बीच प्रतिस्पर्द्धा का भी परिणाम है। कई राज्यों में, राज्य और केंद्रीय, दोनों बोर्डों के छात्र कॉलेज की सीटों के लिए प्रतिस्पर्द्धा करते हैं। कॉलेज बोर्ड परीक्षाओं में उनके अंकों के आधार पर छात्रों का चयन करते हैं। अमूमन शिक्षा बोर्डों के बीच तुलना करते समय कोई समायोजन नहीं किया जाता है।

गौर करने की बात है कि 1970 और 1980 के दशक में केंद्रीय बोर्डों ने उन इलाकों में छात्रों को ज्यादा अंक देना शुरू कर दिया था, जहां उन्हें लगा कि उन्हें अपने छात्रों को संबंधित राज्य बोर्डों के साथ प्रतिस्पर्द्धा योग्य बनाने के लिए ऐसा करना होगा। धीरे-धीरे अन्य शिक्षा बोर्डों को भी एहसास हुआ कि वे भी ऐसा कर सकते हैं या उन्हें भी ऐसा करना होगा, तो धीरे-धीरे सबने ज्यादा अंक देना शुरू कर दिया। आज हर विषय में सौ प्रतिशत या उसके करीब अंक आना आम बात है। दिलचस्प है कि नगालैंड में 1975-79 के बीच बोर्ड के उच्चतम अंकों का औसत 75.4 प्रतिशत था, जो 1980-84 में बढ़कर 89.9 प्रतिशत और 2015 में बढ़कर 97.6 फीसदी हो गया। 2020 से चार वर्षों का औसत, जिसमें कोविड काल भी शामिल है, 98.8 प्रतिशत है। अन्य राज्यों में भी कमोबेश ऐसी ही स्थिति है।

शीर्ष छात्रों को साल-दर-साल अधिक से अधिक अंक मिलने लगे हैं। इसके कई नकारात्मक नतीजे भी होते हैं। सबसे पहले इससे छात्रों, अभिभावकों और स्कूलों पर ज्यादा अंक लाने का दबाव बढ़ जाता है। कॉलेज में प्रवेश को लेकर भी तनाव बढ़ जाता है। छात्र ट्यूशन के लिए मजबूर होते हैं। दूसरी गंभीर समस्या, जिसे अक्सर महसूस नहीं किया जाता, वह यह है कि बोर्ड भी परीक्षा की कठिनाई व प्रश्नों के प्रकार को कम करना शुरू कर देते हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा छात्र उच्च अंक प्राप्त कर सकें। वे बहुत उदारता से अंक देते हैं।

ज्यादा अंक लाने की होड़ अंकों के महत्व को बढ़ा देती है और सीखने-सिखाने पर कम जोर देती है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि अगर औसत दर्जे की पढ़ाई को भी शीर्ष ग्रेड मिलता है, तो यह पढ़ाई में कड़ी मेहनत के खिलाफ काम करता है। साथ ही, ज्यादा अंक यह गलत धारणा भी पैदा करते हैं कि छात्र और शिक्षा तंत्र बेहतर कर रहे हैं। अनेक लोग उच्च अंक से तब तक खुश रहते हैं, जब तक कि बेरोजगारी की नौबत नहीं आ जाती।

भारत जैसे देश में, जहां एक विशाल समूह परीक्षा देता है, वहां मानदंड संदर्भ नामक एक शानदार समाधान है, जिसमें प्रतिशत या ग्रेड का इस्तेमाल करने के बजाय 'पर्सेनटाइल स्कोर' प्रदान करना शामिल है। शीर्ष 0.1 प्रतिशत विद्यार्थी दिल्ली में हों या तमिलनाडु में, उन्हें समान रूप से श्रेष्ठ माना जाए। यह न देखा जाए कि तमिलनाडु बोर्ड में छात्रों को अधिकतम 90 अंक मिले हैं और दिल्ली में 95 अधिकतम। दिल्ली के श्रेष्ठ और तमिलनाडु के श्रेष्ठ को समान स्तर पर माना जाए। पर्सेनटाइल स्कोर का उपयोग हर परीक्षा में शीर्ष प्रदर्शन करने वालों के समूह की पहचान कर सकता है। जहां परीक्षार्थियों की संख्या बहुत ज्यादा और विविध है, वहां यह कारगर तरीका है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों में से एक सभी स्कूल बोर्ड में विद्यार्थियों के बीच शैक्षणिक मानकों की समानता सुनिश्चित करना है। सरकार इस मकसद को पूरा करने के लिए एक राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया में है। बोर्ड परीक्षाओं में पर्सेनटाइल का उपयोग एक महत्वपूर्ण तरीका हो सकता है और इससे देश में शिक्षा का स्तर सुधारने में मदद मिल सकती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनाव भाजपा के लिए खतरे की घंटी हैं

(लेखक - सनत जैन)

पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनाव में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई है। केंद्रीय सुरक्षा बल और राज्य की पुलिस ने पंचायत चुनाव को संपन्न कराने और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए काफी प्रयास किए। इसके बाद भी हिंसा थमी नहीं, हिंसा के बीच पश्चिम बंगाल में पंचायत के चुनाव हुए। पंचायत चुनाव सबसे कठिन चुनाव माने जाते हैं। पंचायत चुनाव में मतदाता अपने उम्मीदवारों के निजी व्यवहार और उसकी नेतृत्व शीलता को देखते हुए मतदान करते हैं। सभी चुनावों में पंचायत और नगरीय निकायों के चुनाव सबसे कठिन चुनाव माने जाते हैं। इसमें किसी भी तरह का कोई प्रबंधन काम नहीं आता है। पश्चिम बंगाल में यह चुनाव राजनीतिक दलों के चुनाव चिन्ह पर लड़ा गया था। जिसके कारण राजनीतिक विचारधारा के आधार परपंचायत प्रतिनिधियों के लिए मतदान हुआ है। पंचायत चुनाव में भाजपा के शुभेंदु अधिकारी, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल, चुनाव में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती, हाईकोर्ट द्वारा समय-समय पर दिये गए निर्देश और हस्तक्षेप के बाद भी पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में हिंसा हुई। चुनाव के दौरान और चुनाव की घोषणा के बाद 59 लोगों की मौत इस पंचायत चुनाव में हुई है। जो चुनाव परिणाम अभी तक सामने आए हैं। उसमें टीएमसी एकतरफा जीत की ओर आगे बढ़ रही है। अभी तक 22 जिला परिषदों पर टीएमसी का कब्जा होते हुए दिख रहा है। टीएमसी ने 608 जिला परिषद सीटें जीती हैं। वहीं भाजपा को 19, कांग्रेस को 6,माकापा को 2 सीट मिली है। ग्राम पंचायत की 63229 सीटों में से 34560 सीटों पर तृणमूल कांग्रेस विजयी हुई है। भारतीय जनता पार्टी को 9621 माकापा को 2908 और कांग्रेस को 2515 सीटों पर सफलता प्राप्त हुई है। इस जीत से उत्साहित मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा जब मणिपुर जल रहा था। भाजपा को वहां की चिंता नहीं थी। निष्पक्ष विशेषज्ञों का मानना है, पंचायत चुनाव के दौरान केंद्रीय सुरक्षाबलों, राज्यपाल की भूमिका और भाजपा नेताओं की सक्रियता कांग्रेस और माकापा के लगातार विरोध के बाद भी इतने बड़े पैमाने पर टीएमसी की जीत, आने वाले समय में बदलती हुई राजनीति की दिशा और दशा तय कर रही है। केंद्र सरकार, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल और भारतीय जनता पार्टी कीआक्रमक सक्रियता, केंद्रीय सुरक्षा बलों की मौजूदगी में चुनाव हुए हैं। उसके बाद भी पंचायत चुनाव में पश्चिम बंगाल में जनता खुद अपना चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उत्तरी। टीएमसी बनाम भाजपा में टीएमसी को अप्रत्याशित सफलता प्राप्त हुई है। टीएमसी का विरोध भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस और माकापा भी कर रही थी। टीएमसी पंचायत चुनाव में बिल्कुल अलग-थलग पड़ी हुई थी। इसके बाद भी इतनी बड़ी जीत से स्पष्ट है,कि जनता जब सड़कों पर उतरकर स्वयं चुनाव लड़ती है। उस समय धनबल और कोई अन्य उपाय काम नहीं आता है। पंचायत चुनाव के परिणाम एक तरह से केंद्र सरकार और भाजपा के लिए खतरे की घंटी की तरह हैं। हिमाचल,कर्नाटक के विधानसभा के चुनाव परिणाम लगभग इसी तर्ज पर सामने आए हैं। अच्छे दिन के जो वादे जनता से किए गए थे। 9 वर्षों के बाद भी अच्छे दिन की बात छोड़ दें,तो जीवन जीना भी लोगों के लिए मुश्किल हो रहा है। यह गुस्सा अब मतदाताओं में दिखने लगा है। पंचायत चुनाव से ज्यादा कोई सफल परीक्षण हो नहीं सकता है। पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनावों ने यह बता दिया है देश की राजनीतिक फिजा किस और बह रही है। अब जनता खुद सड़कों पर उतरने के लिए विवश हो रही है। हिंसा भी उसी प्रतिरोध का परिणाम है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किसके हाथ में होगी रिलायंस कै पिटल की कमान?

- आरबीआई ने भेजा आईआईएचएल का नाम, अब नजरें एनसीएलटी के फैसले पर

मुंबई । कर्ज संकट का सामना कर रही दिवालिया कंपनी रिलायंस कैपिटल की कमान किसके हाथ में होगी, इस पर फैसला अब नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) को करना है। आरबीआई द्वारा नियुक्त प्रशासक ने एक सफल बोलीदाता के रूप में इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) का नाम एनसीएलटी को विचार के लिए प्रस्तुत किया है। बता दें कि यह देश की तीसरी सबसे बड़ी एनबीएफसी है, जिसके खिलाफ आरबीआई ने आईबीसी के तहत दिवालिया प्रक्रिया शुरू की है। रिलायंस कैपिटल के लगभग 99 फीसदी कर्जदाताओं ने हिंदुजा ग्रुप की कंपनी आईआईएचएल की समाधान योजना के पक्ष में वोटिंग की है। इस समाधान योजना में रिलायंस कैपिटल को 9,961 करोड़ रुपए मिल सकते हैं। बता दें कि आईआईएचएल ने 26 अप्रैल को आयोजित दूसरे दौर की नीलामी में 9,661 करोड़ रुपए का कैश ऑफर किया था, जो इसके लिए सबसे बड़ी बोली है। रिलायंस कैपिटल ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि प्रशासक ने इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड, 2016 की धारा 30 (6) के तहत रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के लेनदारों की समिति द्वारा अनुमोदित आईआईएचएल की समाधान योजना को एनसीएलटी की मुंबई बेंच के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए एक आवेदन दायर किया है। आरबीआई ने 29 नवंबर, 2021 को भुगतान चूक और गंभीर शासन संबंधी मुद्दों को देखते हुए रिलायंस कैपिटल के बोर्ड को भंग कर दिया था।

केंद्र सरकार ने स्वर्ण आभूषणों और वस्तुओं पर आयात प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली । सरकार ने सोने के कुछ` वि शिष्ट आभूषणों और वस्तुओं पर आयात प्रतिबंध लगा दिया है।` जिससे एक आयातक को इन सोने के उत्पादों को आयात करने के लिए सरकार से लाइसेंस की अनुमति की जरूरत होगी। वहीं विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि भारत-यूएई मुक्त व्यापार समझौते के तहत आयात पर प्रतिबंध लागू नहीं होंगे। डीजीएफटी ने यह भी कहा कि इन उत्पादों की आयात नीति को तत्काल प्रभाव से मुक्त से प्रतिबंधित में संशोधित किया गया है। इस फैसले से गैर-जरूरी वस्तुओं के आयात को कम करने में सहायक होगा।

एचसीएल टेक जर्मनी की कंपनी का अ धिग्रहण करेगी

नई दिल्ली । एचसीएल टेक्नोलॉजीज ने जर्मनी की ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी एएसएपी ग्रुप का 25.11 करोड़ यूरो (लगभग 2,300 करोड़ रुपए में अधिग्रहण किया है। शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक एएसएपी ग्रुप में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एचसीएल टेक्नोलॉजीज ने एक बाध्यकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने बताया कि यह अधिग्रहण उसकी ब्रिटेन स्थित सहायक कंपनी के जरिए पूरी तरह नकद सौदे के रूप में किया गया है।सौदा सितंबर 2023 तक पूरा होने की उम्मीद है, और इसके लिए नियामकीय मंजूरियां ली जानी बाकी हैं। एचसीएल टेक यूरोप, जर्मनी और अन्य वैश्विक बाजारों में ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग सेवा क्षेत्र में अपनी क्षमताओं को बढ़ाना चाहती है। एचसीएल टेक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कोर इंजीनियरिंग एचसीएल टेक के डीएनए में है और यह वास्तव में यह हमारे सेवा पोर्टफोलियो को अलग बनाती है। एएसएपी ने ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग में कुछ रोमांचक क्षमताएं विकसित की हैं और इससे हमें अपने वैश्विक नेटवर्क में इन क्षमताओं को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

नॉन बासमती चावल के एक्सपोर्ट पर लग सकता है बैन, केंद्र सरकार कर रही विचार: रिपोर्ट

(एजेंसी)

खाने पीने की वस्तुओं की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के चलते केंद्र सरकार सचेत हो गई है। हाल के दिनों में चावल की कीमतों में लगातार उछाल देखने को मिला है जिसके बाद केंद्र सरकार चावल के एक्सपोर्ट पर बैन लगाने पर विचार कर रही है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक मोदी सरकार सभी प्रकार के नॉन-बासमती चावल के निर्यात पर रोक लगाने की योजना पर विचार कर रही है। सरकार यदि गैर-बासमती चावल के एक्सपोर्ट पर रोक लगाती है तो कुल 80 फीसदी चावल का एक्सपोर्ट इससे प्रभावित होगा। सरकार के इस फैसले के चलते घरेलू बाजार में तो कीमतों में बढ़ोतरी पर अंकुश लग जाएगी लेकिन दुनियाभर में चावल की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिल सकता है। घरेलू बाजार में पिछले दो हफ्तों मे चावल की कीमतों में 20 फीसदी का उछाल देखने को मिला है।

चावल का जिन राज्यों में उत्पादन होता है वहां असामान्य बारिश देखने को मिल रही है, ऐसे में धान की फसल के प्रभावित होने की आशंका है।

वैश्विक मांग कमजोर होने से चीन का निर्यात जून में 12.4 प्रतिशत घटा

हांगकांग । चीन का निर्यात जून में सालाना आधार पर 12.4 प्रतिशत घट गया। दुनिया भर में केंद्रीय बैंकों के मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने के लिए ब्याज दरें बढ़ाने के बाद मांग कमजोर पड़ने से चीन के निर्यात में गिरावट आई है। चीन में गुरुवार को जारी सीमा शुल्क आंकड़ों के मुताबिक आयात में 6.8 प्रतिशत की गिरावट आई है। विदेश व्यापार में कमजोरी से दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है। इस साल जनवरी-जून में आयात और निर्यात सहित चीन का कुल व्यापार सालाना आधार पर लगभग पांच प्रतिशत घट गया। इस दौरान निर्यात में 3.2 प्रतिशत की गिरावट हुई जबकि आयात 6.7 प्रतिशत घटा। सुरक्षा संबंधी कारणों और चीनी औद्योगिक नीति को लेकर बीजिंग के साथ वाशिंगटन के विवाद से भी व्यापार प्रभावित हुआ है।

खुदरा महंगाई जून में बढ़कर 4.81 फीसदी हुई

नई दिल्ली ।

महंगाई में गिरावट का सिलसिला थम गया है। जून महीने में खुदरा महंगाई दर में बढ़त दर्ज की गई है। खाने-पीने के सामानों की कीमतें बढ़ने से जून में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। मई महीने के 4.31 फीसदी के मुकाबले जून में खुदरा महंगाई 4.81 फीसदी पर पहुंच गई। सरकार ने बुधवार को कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) पर आधारित महंगाई के आंकड़े जारी किए। मई में खुदरा महंगाई 4.31 फीसदी रही थी जबकि साल भर पहले जून, 2022 में यह 7 फीसदी थी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, जून में खाद्य उत्पादों की महंगाई 4.49 फीसदी रही जबकि मई में यह 2.96 फीसदी थी। सीपीआई में खाद्य उत्पादों का भारांक लगभग आधा होता है। जून में खुदरा महंगाई की दर बढ़ने के बावजूद यह भारतीय रिजर्व बैंक के 6 फीसदी के संतोषजनक स्तर के नीचे है। सरकार ने रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति को दो फीसदी घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत तक सीमित रखने का दायित्व सौंपा हुआ है। रिजर्व बैंक खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े को ध्यान में रखते हुए द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा करता है। रिजर्व बैंक ने पिछले महीने की मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दर रेपो को 6.5 फीसदी पर कायम रखा था। इसके साथ ही उसने अप्रैल-जून तिमाही में खुदरा महंगाई के 4.6 फीसदी पर रहने का अनुमान जताया था।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 64 , निफ्टी 29 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेल शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुए। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आई है। इसके साथ ही अमेरिकी उपभोक्ता मुद्रास्फीति के सबसे निचले स्तर पर पहुंचने से भी भारतीय बाजार को बल मिला। दिग्गज आईटी कंपनी टीसीएस के पहली तिमाही के परिणामों के सकारात्मक रहने से भी बाजार उछला है पर बैंकिंग शेयरों मुख्य रुप से पीएसयू बैंकों में भारी बिकवाली से बाजार की तेजी पर अंकुश लग गया। वाहन और उर्जा क्षेत्र के शेयरों में भी गिरावट आई

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 64.99 अंक करीब 0.25 फीसदी ऊपर आकर 65,558.89 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 29.45 अंक तकरीबन 0.15 फीसदी ऊपर 19,413.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,567.00 की उंचाई तक जाने के बाद 19,385.80 तक गिरा।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 13 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। टीसीएस के शेयर सबसे अधिक 2.47 फीसदी बढ़े, इसके साथ ही इंफोसिस, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में शामिल रहे।

दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से 17 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। इसमें पावर ग्रिड के शेयरों को सबसे अधिक 3.36 फीसदी नुकसान हुआ। पावर ग्रिड के अलावा मारुति, एनटीपीस, रिलायंस और एचयूएल के शेयर भी सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयरों में रहे। व्यापक बाजार भी ऊंचे स्तर पर चले गए। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.6 फीसदी तक बढ़े।

इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजार में तेजी के बीच ही जून में अमेरिकी उपभोक्ता मुद्रास्फीति में मंदी के बाद ग्लोबल इक्विटी में मजबूती को देखते हुए गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार नए सार्वजे निक उच्च स्तर पर पहुंच गए। बीएसई सेंसेक्स 574 अंक बढ़कर 65,968.02 पर और एनएसई निफ्टी 92 अंक बढ़कर 19,477 पर पहुंच गया

आईटी सेक्टर में सॉलडाउन के बीच टीसीएस ने दी कर्मचारियों को वेतन बढ़ोत्तरी की सौगात

मुंबई ।

देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने सालाना वेतन वृद्धि की घोषणा कर अपने कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है। ग्लोबल आर्थिक संकट के कारण आईटी सेक्टर में सॉलडाउन के बीच कंपनी के ऑपरेटिंग मार्जिन पर असर पड़ने के बावजूद 1 अप्रैल, 2023 से अपने कर्मचारियों का सालाना वेतन बढ़ा दिया है। टीसीएस के सीएफओ समीर सेकसरिया ने बताया कि 1 अप्रैल से प्रभावी वार्षिक वेतन वृद्धि के परिणामस्वरूप ऑपरेटिंग मार्जिन पर 200 आधार अंकों का असर पड़ेगा, जो वर्तमान में 23.2 फीसदी है। वेतन वृद्धि के अलावा, टीसीएस ने प्रमोशन साइकिल भी शुरू किया है और नवीनतम वार्षिक मुआवजे की समीक्षा के दौरान बेस्ट परफॉर्मेंस करने वालों को 12 से 15 फीसदी तक की सैलरी हाइक दी गई है। कंपनी में नौकरी छोड़ने की दर लगातार घट रही है। कंपनी ने जून की पहली तिमाही के दौरान 523 नए कर्मचारी जोड़े हैं। 30 जून 2023 तक टीसीएस की कर्मचारियों की संख्या 6,15,318 हो गई है। टीसीएस के सीईओ के कृतिवासन ने स्वीकार किया कि अनिश्चितता और निवेश पर रिटर्न पर ध्यान केंद्रित करने के कारण कुछ गैर-व्यावसायिक-महत्वपूर्ण परियोजनाओं को ग्राहकों द्वारा रोका, स्थगित या फिर से प्राथमिकता दी जा रही है। कंपनी का शुद्ध लाभ साल भर पहले के मुकाबले 16.8 फीसदी बढ़कर 11,074 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में कंपनी ने 9,478 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। तिमाही के दौरान कंपनी की आय 12.6 फीसदी बढ़कर 59,381 करोड़ रुपये हो गई, जो अप्रैल-जून, 2023 में 52,758 करोड़ रुपये रही थी। मगर इस साल जनवरी-मार्च तिमाही के मुकाबले कंपनी का मुनाफा 2.7 फीसदी घटकर 11,392 करोड़ रुपये रह गया। तिमाही के दौरान मार्जिन भी घटकर 23.2 फीसदी रह गया। वेतन पर खर्च 200 आधार अंक बढ़ने से मार्जिन पर असर पड़ा।

महाराष्ट्र ने फॉक्सकॉन को 39,000 करोड़ के प्रोत्साहन की पेशकश की थी: सामंत

नागपुर ।

महाराष्ट्र के मंत्री उदय सामंत ने कहा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने वेदांता-फॉक्सकॉन को उसकी सेमीकंडक्टर विनिर्माण परियोजना के लिए 39,000 करोड़ रुपए के प्रोत्साहन की पेशकश की थी, जो पड़ोसी राज्य गुजरात द्वारा दी गई पेशकश से 10,000 करोड़ रुपए अधिक है। सामंत ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर फॉक्सकॉन या कोई अन्य सेमीकंडक्टर निर्माता महाराष्ट्र में संयंत्र स्थापित करना चाहता है, तो सरकार ने इस उद्देश्य के लिए 2,000 एकड़ जमीन की व्यवस्था कर रखी है। वेदांता-फॉक्सकॉन ने पिछले साल सितंबर में अपने प्रस्तावित सेमीकंडक्टर संयंत्र को महाराष्ट्र से गुजरात स्थानांतरित करने का फैसला किया था, जिससे शिंदे सरकार और विपक्षी महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण कंपनी फॉक्सकॉन ने वेदांता के साथ सेमीकंडक्टर संयुक्त उद्यम से बाहर निकलने की घोषणा की थी। फॉक्सकॉन ने कहा था कि वह खनन क्षेत्र के दिग्गज उद्योगपति अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाली वेदांता लिमिटेड के साथ 19.5 अरब डॉलर के संयुक्त उद्यम से बाहर निकल रही है।

आरकैप के बोलीकर्ता के रूप में आईआईएचएल का नाम एनसीएलटी को भेजा

नई दिल्ली । कर्ज में फंसी रिलायंस कैपिटल ने कहा कि रिजर्व बैंक से नियुक्त प्रशासक ने नीलामी में सफल बोलीकर्ता के तौर पर हिंदुजा समूह की कंपनी आईआईएचएल का नाम एनसीएलटी के समक्ष विचार के लिए सौंप दिया है। रिलांयस कैपिटल के ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) ने भी इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग लिमिटेड (आईआईएचएल) की तरफ से पेश कर्ज समाधान योजना को अपनी स्वीकृति दे दी है। आईआईएचएल ने 26 अप्रैल को हुई दूसरे दौर की नीलामी में 9,661 करोड़ रुपए की सर्वाधिक नकद बोली लगाई थी। सफल बोलीकर्ता के रूप में आईआईएचएल का नाम राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के विचार के लिए भेज दिया गया है। कंपनी के नियुक्त प्रशासक ने एनसीएलटी को यह नाम भेजा है। नवंबर, 2021 में रिलायंस कैपिटल का निदेशक मंडल भंग करने के बाद रिजर्व बैंक ने नागेश्वर राव वाई को ऋणशोधन समाधान प्रक्रिया के संचालन के लिए प्रशासक नियुक्त किया था।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को रुपया आठ पैसे की बढ़त के साथ ही 82.10 पर बंद हुआ। सुबह घरेलू शेयर बाजारों में तेजी और विदेश में डॉलर के कमजोर पड़ने से गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 21 पैसे बढ़कर 81.97 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि उत्साहजनक व्यापक आर्थिक आंकड़ों से भी स्थानीय मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 81.98 पर खुला और फिर बढ़त दर्ज करते हुए 81.97 पर पहुंच गया। इस तरह भारतीय मुद्रा ने पिछले बंद भाव के मुकाबले 21 पैसे की बढ़त दर्ज की। वहीं गत दिवस बुधवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 82.18 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी गिरकर 100.14 पर आ गया।

कच्चा तेल में तेजी, बदल गई पेट्रोल-डीजल की कीमत

- ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 80.23 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में लंबे समय बाद फिर कच्चे तेल की कीमतों ने 80 डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। इसका असर गुरुवार सुबह जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों ने गुरुवार को कई शहरों में पेट्रोल-डीजल के खुदरा भाव बदल दिए हैं। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं आया है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, गाजियाबाद में पेट्रोल 14 पैसे सस्ता हुआ और 96.44 रुपए लीटर हो गया है, जबकि डीजल 13 पैसे गिरकर 89.62 रुपए लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 12 पैसे महंगा होकर 107.54 रुपए लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 11 पैसे चढ़कर 94.32 रुपए लीटर हो गया है। हरियाणा के गुरुग्राम में पेट्रोल 19 पैसे गिरकर 96.99 रुपए लीटर हो गया है, लेकिन डीजल 19 पैसे सस्ता होकर 89.86 रुपए लीटर बिक रहा। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में बदलाव हुआ है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 80.23 डॉलर प्रति बैरल के भाव चल रहा है। डब्ल्यूटीआई भी वैश्विक बाजार में 75.83 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, गाजियाबाद में पेट्रोल 96.44 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.54 रुपए और डीजल 94.32 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 96.99 रुपए और डीजल 89.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

अनिल अग्रवाल ने कहा, सेमीकंडक्टर परियोजना के लिए तैयार हैं कई साझेदार

(एजेंसी)

वेदांता समूह की सेमीकंडक्टर परियोजना से ताइवानी साझेदार फॉक्सकॉन के अलग होने के बाद कंपनी के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने बुधवार को कहा कि इस उपक्रम के लिए कई भागीदार तैयार हैं। पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार, सेमीकंडक्टर संयंत्र के लिए 19.5 अरब डॉलर का निवेश किया जाना था। उन्होंने कहा कि वेदांता इस साल चिप विनिर्माण के क्षेत्र में प्रवेश करेगी। अग्रवाल ने हालांकि नए साझेदार के नाम का खुलासा नहीं किया। होन हाई टेक्नोलॉजी ग्रुप, जिसे फॉक्सकॉन के नाम से भी जाना जाता है, ने इस सप्ताह की शुरुआत में वेदांता के साथ चिप विनिर्माण के संयुक्त उद्यम से हाथ खींच लिया था। फॉक्सकॉन ने हालांकि कहा कि वह सरकार की सेमीकंडक्टर विनिर्माण योजना के तहत आवेदन करना चाहती है। वेदांता ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह समूह की एक कंपनी से सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले ग्लास इकाइयों का अधिग्रहण करेगी। दुनिया के ज्यादातर चिप कुछ देशों में ही बनाए जाते हैं और भारत इस क्षेत्र में काफी देरी से प्रवेश कर रहा है। इनका इस्तेमाल मोबाइल फोन से लेकर रेफ्रिजरेटर और कारों तक, कई तरह के उपकरणों में होता है। अग्रवाल ने वेदांता के शेयरधारकों की वार्षिक बैठक में कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में एक बड़ा अवसर है क्योंकि भारत हर साल 100 अरब डॉलर मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक्स का आयात करता है। इसमें 30 अरब डॉलर के सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले ग्लास शामिल हैं। उन्होंने फॉक्सकॉन के पीछे हटने का जिक्र किए बिना कहा, ''हमने अपने सेमीकंडक्टर उद्यम के लिए साझेदार तैयार कर लिए हैं।'' उन्होंने आगे कहा, ''इस साल कंपनी सेमीकंडक्टर फैब और डिस्प्ले फैब के क्षेत्र में कदम रखेगी। यह सरकारी मंजूरियों पर निर्भर करेगा।'' उन्होंने कहा कि वेदांता लिमिटेड ने भारत में अबतक 35 अरब डॉलर का निवेश किया है और कंपनी आने वाले वर्षों में विभिन्न कारोबार में ''उल्लेखनीय निवेश'' करेगी। अग्रवाल ने कहा कि समूह चालू वित्त वर्ष में 1.7 अरब डॉलर (14,000 करोड़ रुपए) का निवेश करेगा।

एयरलाइन के शेयरों में आया उछाल

- कंपनी के स्टॉक 4 फीसदी बढ़कर 31.16 पर बंद हुए

नई दिल्ली । स्पाइसजेट की बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की बैठक में लिए गए फैसले के बाद एयरलाइन के शेयरों में तेजी आई है। कंपनी के स्टॉक बुधवार को 4 फीसदी बढ़कर 31.16 के स्तर पर बंद हुए। गुरुवार को भी स्टॉक में तेजी बरकरार है। ये 3.66 फीसदी की बढ़त के साथ 32.30 के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। बता दें कि पिछले साल अगस्त से कंपनी के स्टॉक में लगातार गिरावट देखने को मिली रही थी। ये 50 के स्तर से 23 मई तक 25 के स्तर से भी नीचे आ गिरा था। स्पाइसजेट के प्रमोटर अजय सिंह ने एयरलाइन में बुधवार को 500 करोड़ रुपए का निवेश करने की घोषणा की। उन्होंने इसकी जानकारी शेयर बाजार को दी। सिंह ने यह फैसला बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की मीटिंग में लिया। अजय सिंह ने कहा` कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मैं कंपनी में 500 करोड़ रुपए का निवेश करूंगा। स्पाइसजेट का भविष्य उज्ज्वल है और वह इसे इसकी पूर्ण क्षमता हासिल करवाने में पूरी मदद करेंगे।

स्पाइसजेट की तरफ से बयान दिया गया कि फंड जुटाने के तरीकों पर चर्चा के लिए 12 जुलाई को हुई बैठक में एयरलाइन के प्रमोटर अजय सिंह ने निवेश करने का ऑफर दिया। वहीं एयरलाइन ने जानकारी दी कि इस निवेश के बाद एयरलाइन को सरकार की तरफ से इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम के तहत 206 करोड़ रुपए की एडिशनल क्रेडिट फैसिलिटी पाने में भी मदद मिल जाएगी। स्पाइसजेट वर्ष 2018-19 से घाटे में चल रही है। कंपनी का समेकित शुद्ध घाटा वित्त वर्ष 22 में बढ़कर 1,744.2 करोड़ हो गया, जो वित्त वर्ष 21 में 1,029 करोड़ रुपए था।

अश्विन और जडेजा ने वेस्टइंडीज को 150 पर समेटा, भारत ने बनाये बिना किसी नुकसान के 80 रन

रोसेउ (एजेंसी)। अनुभवी स्पिनर आर अश्विन और रविन्द्र जडेजा की अच्छी गेंदबाजी से भारतीय टीम ने यहां मेजबान वेस्टइंडीज को पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले ही दिन पहली पारी में 150 रनों पर ही समेट दिया। अश्विन ने 24.3 ओवर में 60 रन देकर 5 विकेट जबकि जडेजा ने 14 ओवरों में 26 रन देकर तीन विकेट लिए। इसके बाद भारतीय टीम ने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक बिना किसी नुकसान के अपनी पहली पारी में 23 ओवर में 80 रन बना लिए थे। टेस्ट पदार्पण करने वाले यशस्वी जयसवाल 40 और कप्तान रोहित शर्मा 30 रनों पर खेल रहे थे। भारतीय टीम मेजबान वेस्टइंडीज के पहली पारी के स्कोर से केवल 70 रन पीछे है और उसके सभी पास सभी विकेट हैं। ऐसे में अब भारतीय टीम के पास दूसरे दिन अच्छा स्कोर कर बड़ी बढ़त हासिल करने का अवसर है।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का मेजबान टीम का फैसला गलत रहा और एलिक अथानाज़ को 47 छोड़कर उसके बाकि बल्लेबाज भारतीय स्पिनरों के सामने टिक नहीं पाये। अश्विन ने कप्तान क्रैग ब्रैथवेट को 20, तेजनारायण चंद्रपॉल को 12, एलिक अथानाज़ को 47, अल्जारी जोसेफ को 4 और जोमेल वारिकन को 1 रन पर आउट कर वेस्टइंडीज की कमर ही तोड़ दी।

इसके बाद रही सही कसर जडेजा ने तीन खिलाड़ियों को आउट कर निकाल दी।

इससे पहले मेजबान टीम की ओर से अपना पहला ही अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे बल्लेबाज एलिक ही कुछ हद तक रन बना पाये। मेजबान टीम के बल्लेबाजों की कमजोर एक बार फिर सामने आ गयी।

एलिक ने अपनी बल्लेबाजी से पारी को संभालने का प्रयास किया पर वह सफल नहीं हुए। वहीं भारत की ओर से अश्विन ने इस मैच में अहम उपब्धि हासिल करते हुए अपने 700 विकेट पूरे किये। इस स्पिनर ने इसके साथ ही इस मैच में 33 वीं बार पांच विकेट लेने की उपलब्धि भी हासिल की। अश्विन अब दिग्गज स्पिनर कुंबले 956 और हरभजन सिंह 711 के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गये हैं।

नाडा ने विनेश को नोटिस दिया

ओसियेक (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। महिला पहलवान विनेश फोगाट मुश्किल में पड़ गयी हैं। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने पता-ठिकाने की आवश्यकताओं का पालन करने में असफल रहने पर उन्हें नोटिस दिया है। एक डोपिंग नियंत्रण अधिकारी (डीसीओ) ने उनके दिये पते का दौरा किया पर विनेश उस स्थान पर नहीं मिली। इसके बाद फोन से भी उनसे संपर्क नहीं किया जा सका। इस मामले में उनके पति सोमवीर राठी ने भी कोई जवाब नहीं दिया। इससे देखते हुए नाडा के परियोजना अधिकारी अंकुश गुप्ता ने विनेश से पता-ठिकाना आवश्यकताओं का अनुपालन न करने के संबंध में जवाब मांगा है। इस नोटिस का जवाब देने के लिए विनेश के पास 14 दिन का समय है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि यह पहली बार है कि उसके ठिकाने का पता नहीं चल पाया है। नाडा के पंजीकृत परीक्षण पूल में एक एथलीट को हर तिमाही में ठिकाने की जानकारी प्रदान करनी होती है जिसमें घर का पता, ईमेल पता और फोन नंबर देना होता है। इसके साथ ही प्रतियोगिता कार्यक्रम और स्थान और प्रत्येक दिन के लिए 60 मिनट का समय स्लॉट जहां वह परीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगा। 12 महीने की अवधि के भीतर तीन पता-ठिकाने विफलताओं को देने में असफल रहने पर नाडा एंटी डोपिंग नियमों - अनुच्छेद 2.4 के तहत डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन है, जिसके कारण उनपर 4 साल तक का प्रतिबंध लगाया जा सकता है। वहीं भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के पूर्व कोच सिंह ने सुझाव दिया कि नाडा को विनेश के साथ ही बजरंग पुनिया पर नजर रखनी चाहिए, क्योंकि दोनों को एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप से पहले विदेश में प्रशिक्षण के लिए खेल मंत्रालय से हरी झंडी मिल गई है।

अश्विन से पहले चार अन्य गेंदबाजों के नाम भी है पिता , पुत्र दोनो को आउट करने का रिकार्ड

रोसेउ (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने तेजनारायण चंद्रपॉल का विकेट लेते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अश्विन ने अपने करियर के दौरान तेजनारायण के पिता शिवनारायण चंद्रपॉल को भी आउट किया था। चंद्रपॉल वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज रहे हैं। अश्विन यह रिकार्ड बनाने वाले एकमात्र गेंदबाज नहीं हैं। इससे पहले चार अन्य गेंदबाजों ने ये कारनामा किया था।।

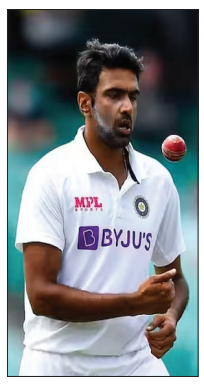

ये गेंदबाज हैं

इयान बॉथम: इंग्लैंड के महान ऑलराउंडर इयान बॉथम टेस्ट में पिता और पुत्र दोनो को आउट करने वाले पहले गेंदबाज थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के लांस केन्र्स और उनके बेटे क्रिस केन्र्स को आउट किया था।

वसीम अकरम: पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने भी लांस और क्रिस केन्स को आउट किया था। लांस ने 43 टेस्ट खेले थे जबकि क्रिस ने 62 टेस्ट खेले थे।

मिचेल स्टार्क: वहीं टेस्ट क्रिकेट में पिता और पुत्र दोनों को आउट करने वाले तीसरे गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क हैं। स्टार्क ने शिवनारायण चंद्रपॉल को अपने करियर की शुरुआत में जबकि गत वर्ष तेजनारायण को आउट किया था।

साइमन हार्मर: अनजान से गेंदबाज रहे दक्षिण अफ्रीका के साइमन हार्मर ने केवल 10 टेस्ट मैच ही खेले हैं। साल 2015 में उन्होंने शिवनारायण चंद्रपॉल को आउट किया था। वहीं इस साल की शुरुआत में उनके बेटे तेजनारायण का विकेट लिया था।

दलीप ट्रॉफी फाइनल : विद्वत कावेरप्पा के 4 विकेट, दक्षिण क्षेत्र ने दबदबा बनाया

बेंगलुरु (एजेंसी)। दक्षिण क्षेत्र के तेज गेंदबाजों ने गुरुवार को यहां दलीप ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन पश्चिम क्षेत्र के स्टंप तक 129 रन के स्कोर पर सात विकेट झटककर पहले दिन टीम के खराब प्रदर्शन की भरपायी करने में मदद की। पश्चिम की टीम अब भी दक्षिण क्षेत्र से 84 रन से पिछड़ रही है। इससे पहले दक्षिण क्षेत्र की टीम पहली पारी में 213 रन पर सिमट गयी थी जिसने सुबह सात विकेट पर 182 रन से खेलना शुरु किया था।

पृथ्वी शॉ और हार्विक देसाई ने पश्चिम क्षेत्र को एक विकेट पर 97 रन के स्कोर तक पहुंचाया। शॉ ने अपनी 65 रन की पारी के दौरान कुछ शानदार शॉट लगाये। शॉ बड़ी पारी की ओर बढ़ रहे थे और साफ दिख रहा था कि दक्षिण के गेंदबाजों को दूसरे विकेट की साझेदारी तोड़ने के लिए कुछ विशेष करना होगा। और यह काम शायद 65 मिनट के बारिश के ब्रेक ने कर दिया जो दूसरे सत्र में आयी। इससे दक्षिण क्षेत्र के गेंदबाजों को अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करने का समय भी मिल गया।

ब्रेक के बाद मैदान पर उनके गेंदबाजों के बदले रवैये को स्पष्ट देखा जा सकता था। वी विजयकुमार ने शॉ और हार्विक देसाई (21 रन) को अपनी शॉर्ट पिच गेंदबाजी से परेशान किया। विद्वत कावेरप्पा ने हार्विक देसाई को आउट कर यह भागीदारी तोड़ी। वी विजयकुमार ने शॉ को अपर कट शॉट खेलने के लिए बाध्य किया और यह थर्ड मैन पर खड़े विद्वत कावेरप्पा के हाथों में समा गया। उन्होंने 101 गेंद की पारी के दौरान नौ बाउंड्री लगाई।

सूर्यकुमार यादव ने अपने चिर परिचित टी20 क्रिकेट अंदाज में खेलना शुरू किया और इसी चक्कर में एक बार आउट होने से बचे। लेकिन जल्द ही उनकी पारी का अंत हो गया, मुंबई का यह बल्लेबाज विद्वत कावेरप्पा की गुडलेंथ गेंद पर हनुमा विहारी के हाथों कैच आउट हुआ। विद्वत कावेरप्पा ने जल्द ही सरफराज खान को पगबाधा आउट किया जो खाता भी नहीं खोल सके। इससे आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी और अब जिम्मेदारी चेतेश्वर पुजारा के कंधों पर थी लेकिन यह अनुभवी बल्लेबाज इस दफा इसे निभाने में असफल रहा। विद्वत कावेरप्पा की गेंद पर आर समर्थ के कैच ने पुजारा की पारी खत्म की।

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप : ज्योति ने 100 मीटर बाधा दौड़ में जीता गोल्ड

बैंकॉक । ज्योति याराजी ने गुरुवार को यहां महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में पहला स्थान हासिल करके एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का स्वर्ण पदक का खाता खोला। 23 वर्षीय ज्योति ने फाइनल में 13.09 सेकंड का समय लेकर जापान की दो धाविकाओं टेराडा असुका (13.13 सेकेंड) और आओकी मासुमी (13.26 सेकेंड) को पीछे छोड़ा। ज्योति का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 12.82 सेकंड है। अभिषेक पाल ने बुधवार को पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर भारत का पदक का खाता खोला था।

पन्नू ने एकदिवसीय विश्वकप में हमले की धमकी दी

वॉशिंगटन । खालिस्तान समर्थक आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले क्रिकेट विश्व कप में अहमदाबाद स्टेडियम में आतंकी हमले की धमकी दी है। पन्नू ने सोशल मीडिया पर अपने एक वीडियो में अपनी साथी हरदीप सिंह निज्जर की मौत का बदला लेने की भी धमकी दी है। निज्जर को कुछ समय पहले ही कनाडा में अज्ञात लोगों ने गोली मार दी थी। पन्नू ने एक वीडियो जारी किया है। पन्नू अमेरिका में मौजूद एक अलगाववादी समूह का संस्थापक है। पन्नू ने मांग की थी कि जब तक उन्हें एक नया देश नहीं मिल जाता तब तक क्रिकेट विश्व कप का आयोजन नहीं होना चाहिये। गौरतलब है कि जुलाई 2020 में पन्नू को केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से पन्नू को आतंकी घोषित किया गया था। इसके दो महीने बाद गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम की धारा 51 ए के तहत भारत में उसकी संपत्ति की कुर्की की गई थी। वहीं पन्नू अमेरिका से लगातार भारत के खिलाफ बयानबाजी करने से बाज नहीं आ रहा है। पन्नू ब्रिटेन में मौजूद आतंकी परमजीत सिंह पम्मा और मारे गए आतंकी निज्जर के साथ काम कर चुका है। अब वह अपने बयानों से लोगों को भड़काता नजर आया है। पिछले पन्नू की सड़क हादसे में मौत की खबर भी आई थी पर बाद में वह अफवाह निकली। इसके बाद पन्नू ने एक वीडियो जारी कर बताया कि वह जिंदा है और उसकी मौत की खबरें गलत थीं। पन्नू लगातार भारत के खिलाफ अपने अभियान के तहत ही युवाओं को आतंकवाद की ओर धकेलने का प्रयास कर रहा है जिसमें मिल रही असफलता और अपने साथियों के मारे जाने से भी वह हताशा में अब विश्वकप को निशाना बनाये की गीदड़ भभकियां दे रहा है।

टी20 : बांग्लादेश से हारा भारत, लेकिन सीरीज पर किया 2-1 से कब्जा

मीरपुर (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम तीन टी20आई मैचों की सीरीज के आखिरी मैच में बांग्लादेश से 4 विकेट से हार गई है। भारत ने 103 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे बांग्लादेश ने 10 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया। हालांकि, भारत ने सीरीज पर 2-1 से कब्जा किया।

भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 41 गेंद में 40 रन बनाये जिसके बाद अंतिम ओवरों में बल्लेबाजी क्रम चरमराने से भारत ने 11 रन के अंदर छह विकेट गंवा दिये। लेग स्पिनर राबिया खान ने बांग्लादेश के लिये सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, उन्होंने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट झटके। ऑफ स्पिनर सुल्ताना खातून ने पावरप्ले में प्रभावित किया, उन्होंने शेफाली वर्मा (11 रन) और स्मृति मंधाना (01) की सलामी जोड़ी को आउट किया। मारूफा अख्तर ने भी दो विकेट हासिल किये।

इस कम स्कोर वाली पूरी श्रृंखला के दौरान पिच काफी पेचीदा रही है जिसे देखते हुए हरमनप्रीत ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। शेफाली और मंधाना की सलामी जोड़ी एक बार फिर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाने में विफल रही जिससे छह ओवर में टीम का स्कोर दो विकेट पर 27 रन हो गया। जेमिमा रोड्रिग्स (26 गेंद में 28 रन) और हरमनप्रीत ने तीसरे विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी निभाकर पारी आगे बढ़ायी। लेकिन लेग स्पिनर शोर्ना अख्तर ने रोड्रिग्स की पारी खत्म कर इस भागीदारी को तोड़ा। रोड्रिग्स ने अपनी पारी के दौरान सकारात्मक जज्बा दिखाया और स्पिनरों के खिलाफ अपने पैरों का अच्छा इस्तेमाल किया। हरमनप्रीत के 17वें ओवर में स्टंप आउट होने के बाद लगातार विकेट गिरते रहे जिससे भारतीय बल्लेबाज बाउंड्री नहीं लगा सकीं।

चेन्नईयिन एफसी ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी जोर्डन मरे के साथ किया करार

चेन्नई : इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम चेन्नईयिन एफसी ने 2023-24 सत्र से पहले ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉलर जोर्डन मरे के रूप में पहले विदेशी खिलाड़ी के तौर पर करार किया। जोर्डन (27 वर्ष) पिछले सत्र में थाईलैंड के क्लब नाखोन रातचासिमा एफसी की ओर से खेले थे। वह पहले भी आईएसएल में खेल चुके हैं। जोर्डन ने 2020-21 सत्र में केरला ब्लास्टर्स एफसी की ओर से खेलते हुए आईएसएल में डेब्यू किया था और फिर वह 2021-22 सत्र में जमशेदपुर एफसी के लिये खेले थे जिसमें उन्होंने आईएसएल शील्ड भी जीती थी। आईएसएल के इन दो सत्र में उन्होंने 34 मैचों में 11 गोल दागे थे।

सायना ने अमरनाथ यात्रा में सहायता के लिए आभार जताया

श्रीनगर । महिला बैडमिंटन स्टार सायना नेहवाल ने बाबा बर्फानी की पवित्र गुफा के दर्शनों के साथ ही अपनी अमरनाथ यात्रा पूरी की है। इस दौरान सायना के साथ उनकी मां भी थीं। सायना ने उन्हें और उनके परिवार को सफलतापूर्वक अमरनाथ यात्रा में सहायता के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार के साथ ही स्थानीय लोगों के प्रति आभार जताया। सायना ने कहा, यह मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत अच्छा दिन है। हम यात्रा पर होने के लिए भाग्यशाली हैं। मैं हमारी इतनी अधिक सहायता के लिए सरकार और स्थानीय लोगों को धन्यवाद देना चाहती हूं। साथ ही कहा कि इस यात्रा से वह भी धन्य महसूस कर रही थी क्योंकि उसने और उसकी माँ ने पवित्र गुफा के अंदर दर्शन किये थे।

विश्व चैम्पियनशिप में भारतीय अभियान की अगुआई करेंगी मीराबाई चानू

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू सितंबर में सऊदी अरब के रियाद में होने वाली विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में फिर भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी। दो बार की पदक विजेता चानू (49 किग्रा) के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता बिंदियारानी देवी (55 किग्रा) और अचिंता शेयुली (73 किग्रा), शुभम टोडकर (61 किग्रा) और नारायण अजीत (73 किग्रा) भी इस विश्व प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

टोडकर को छोड़कर यही टीम एशियाई खेलों में भाग लेगी। मई में एशियाई चैम्पियनशिप में छठे स्थान पर रहने के बाद यह तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता चानू की पहली प्रतियोगिता होगी। चानू और बिंदियारानी इस समय पूर्व भारोत्तोलक से फिजियोथेरेपिस्ट और 'स्ट्रेंथ एंव कंडिशनिंग' कोच बने डा आरोन होर्शिग के मार्गदर्शन में 65 दिन के शिविर के लिए अमेरिका में हैं। राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा भी इस वक्त अमेरिका में हैं।

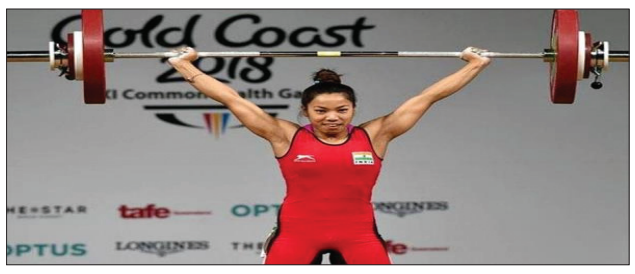

उन्होंने कहा, 'मीरा चोटिल नहीं है, हम उसके मजबूत पक्षों पर काम कर रहे हैं। वह विश्व चैम्पयनशिप और एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगी।' विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के बीच काफी कम समय का अंतर है। विश्व चैम्पियनशिप आमतौर पर साल के अंत में नवंबर और दिसंबर में कराई जाती है, लेकिन इस बार यह चार सितंबर से शुरु हो रही है और एशियाई खेल 20 दिन के अंदर चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से शुरु होंगे।

एशियाई खेल 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट नहीं है और चानू के पदकों में केवल एशियाड पदक की कमी है। पूर्व विश्व चैम्पियन चानू पिछले साल दिसंबर में विश्व चैम्पियनशिप के पिछले चरण में एक रजत पदक जीता था। लेकिन 2024 ओलंपिक क्वालीफिकेशन नियम के अंतर्गत 2023 विश्व चैम्पियनशिप और 2024 विश्व कप में हिस्सा लेना अनिवार्य है। इन दोनों के अलावा एक भारोत्तोलक को 2022 विश्व चैम्पियनशिप, 2023 महाद्वीपीय चैम्पियनशिप, 2023 ग्रां प्री 1, 2023 ग्रां प्री 2 और 2024 महाद्वीपीय चैम्पियनशिप में से तीन में शिरकत करना होता है।

भारतीय टीम

महिला : मीराबाई चानू (49 किग्रा), बिंदियारानी देवी (55 किग्रा)

पुरुष : अचिंता शेयुली (73 किग्रा), शुभम टोडकर (61 किग्रा) और नारायण अजीत (73 किग्रा)

सुनील गावस्कर का खुलासा, कोई बल्लेबाज तकनीकी जानकारी के लिए उनके पास नहीं आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारतीय बल्लेबाजों के आउट होने पर अपने विचार साझा किए। भारतीय टीम क्रमशः न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2021 और 2023 में लगातार दो डब्ल्यूटीसी फाइनल हार गई। हार में भारतीय बल्लेबाजी टीम इंग्लैंड की सीमिंग पिचों पर गुणवत्ता वाले तेज गेंदबाजों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने में विफल रही।

बड़े मंच पर स्टार भारतीय बल्लेबाजी लाइनअप की लगातार विफलता निराशाजनक है लेकिन पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज हैरान है क्योंकि कोई भी वर्तमान भारतीय बल्लेबाज अंतर्दृष्टि के लिए उनके पास नहीं आया है। उन्होंने कहा, 'अगर बल्लेबाज बार-बार वही गलतियां कर रहे हैं, तो आपको यह पूछने की जरूरत है कि आपकी तकनीक के साथ क्या हुआ है। आपने बैटर को बेहतर बनाने का प्रयास कैसे किया है? क्या आपने उसे यह बताने की कोशिश की है, शायद कोई अलग गार्ड ले लें? लेग-स्टंप गार्ड न लें, मिडिल और ऑफ-स्टंप गार्ड लें।'

गावस्कर ने वीरेंद्र सहवाग के बारे में एक दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए कहा, 'मुझे याद है एक बार अचानक वीरेंद्र सहवाग को फोन किया था। वह ज्यादा रन नहीं बना रहे थे। मैंने उससे कहा, 'वीरू, जरा ऑफ स्टंप गार्ड आजमाओ।' तो उन्होंने पूछा, 'क्यों सनी भाई?' तो मैंने उनसे कहा, 'देखिए आप अच्छे फुटवर्क के लिए नहीं जाने जाते।'

पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज ने अंत में कहा, 'क्या हो रहा है, कभी-कभी जब आप आउट हो रहे होते हैं, तो आप डिलीवरी के लिए पहुंच रहे होते हैं और यह आपके लिए चीजों को कठिन बना देता है। इसलिए, हो सकता है कि यदि आप ऑफ-स्टंप गार्ड लेते हैं तो आपको तुरंत पता चल जाएगा कि गेंद ऑफ-स्टंप के बाहर है।

अमेरिकी ओपन : सिंधू और लक्ष्य पहले दौर में जीते, साई प्रणीत हारो

काउंसिल ब्लफ्स । ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने यहां अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग के पहले दौर में जीत दर्ज की। सिंधू ने भारतीय मूल की अमेरिकी खिलाड़ी दीक्षा गुप्ता को महज 27 मिनट में 21-15, 21-12 से पराजित किया तो सेन ने फिनलैंड के काले कोलजोनेन को 30 मिनट के अंदर 21-8, 21-16 से हरा दिया। पुरुष एकल के एक अन्य मैच में एस एस सुब्रमण्यम ने पहले दौर में आयरलैंड के प्रतिद्वंद्वी नहाट एनगुएन को 44 मिनट में 21-11, 21-16 से शिकस्त दी। बी साई प्रणीत को हालांकि दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी लि शि फेंग से तीन गेम तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। एक घंटे 14 मिनट तक चले मैच में चीन के दूसरे वरीय शि फेंग ने प्रणीत को 16-21, 21-14, 21-19 से हराया। एक अन्य महिला एकल मैच में भारत की 61वीं रैंकिंग की रूतविका शिवानी को हार मिली। मंगलवार को राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व चैम्पियन पी कश्यप अपने दूसरे मैच में रिटायर्ड हो गये थे। उन्होंने पहले मैच में इंग्लैंड के रोहन मिधा को हराया था। कृष्णा प्रसाद गारागा और विष्णुवर्धन गौड़ पंजाला की पुरुष युगल जोड़ी भी पहले दौर की बाधा पार नहीं कर सकी, उन्हें चीनी ताइपे के लिन यु चिए और सु लि वेई से सीधे गेम में 14-21, 14-21 से हार मिली।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेहत और सौन्दर्य का रक्षक भुट्टा

भुट्टा जिसे कॉर्न या मकई सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. कई खतरनाक रोगों से रक्षा तो करता ही है सौन्दर्य को भी बरकरार रखता है. भुट्टा जिसे कॉर्न और मकई भी कहा जाता है, का प्रयोग तरह-तरह के व्यंजन बनाने में किया जाता है. यह ऐसा अनाज है जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है. मकई का आटा कोलोन कैंसर के खतरे को कम करता है.

दुरुस्त करता पाचन

कॉर्न में फाइबर यानी भरपूर रेशे होते हैं. ये रेशे भोजन को पचाने के लिए जरूरी हैं. यह कब्ज और पेट में होने वाले कैंसर की आशंका को कम करता है.

प्रचुर मात्रा में खनिज

कॉर्न के दानों में भरपूर मिनरल्स पाये जाते हैं. इसमें आयरन, मैग्नीशियम और कॉपर के अलावा फॉस्फोरस भी पाया जाता है. ये तत्व हड्डियों के लिए जरूरी है. इन तत्वों से हड्डियां मजबूत होती हैं. इसका सेवन किडनी को भी मजबूत करता है.

त्वचा को बनाता है चमकदार

कॉर्न लंबे समय तक त्वचा को कांतिमय रखने में मददगार होता है. एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुरता के अलावा इसके तेल में लिनोलिक एसिड होता है.

एनीमिया से करता है बचाव

मक्के में आयरन होता है. आयरन की कमी से एनीमिया हो जाता है और इसके कारण लाल रक्त कणों की संख्या घट जाती है. मक्के में विटामिन-बी और फोलिक एसिड मौजूद होते हैं जो एनीमिया होने से बचाव करते हैं.

कंट्रोल करता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल ऐसा पदार्थ है, जो बढ़ने पर नुकसाद पहुंचाता है. कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार के होते हैं गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) और बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल).

कोलेस्ट्रॉल में फैटी फूड आते हैं जो हमारे दिल को कमजोर बनाते हैं. स्वीट कॉर्न में विटामिन-सी होते हैं जो हमारे दिल को स्वस्थ रखते और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं. कॉर्न में प्रचुर मात्रा में फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कैंसर होने के कारणों को रोकते हैं. कॉर्न में विटामिन-बी भी होता है जो तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में मददगार हैं. कॉर्न उन डायबिटीज पीड़ितों के लिए जरूरी है, जो इंसुलिन नहीं लेते. कॉर्न उनके डायबिटीज को कंट्रोल करते हैं. मकई में मौजूद कैरोटेनोइड आंखों की ज्योति बढ़ाने के साथ ही विटामिन ए भी उपलब्ध कराता है. मकई के दानों यानी भुट्टों को पकाकर भी खाया जाता है. इससे जहां दांतों की बेहतर एक्सरसाइज होती है, वहीं यह पेट को ठीक करता है.

सौंदर्य का साथी

कई तरह के कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स बनाने में कॉर्न स्टार्च का प्रयोग किया जाता है. साथ ही, इसका प्रयोग त्वचा की जलन और रैशेस को कम करने के लिए भी किया जाता है. कैंसरकारी पेट्रोलियम उत्पाद जो कि कई तरह के कॉस्मेटिक्स को बनाने के लिए प्रयोग किया जाता रहा है अब इनके स्थान पर कॉर्न के उत्पाद का प्रयोग किया जाने लगा है.

सावधान कैल्शियम की कमी खतरनाक

हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. इसकी कमी ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन जाता है. सभी जानते हैं कि मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. कैल्शियम कोलोन (मलाशय) से विषैली चीजों को बाहर निकालने में मदद करने के साथ ही यह हमारी तंत्रिका तंत्र के लिए भी जरूरी है. अगर किसी कारण में शरीर में कैल्शियम की कमी हो जाती है तो यह ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बनता है. एक नये अध्ययन के अनुसार, इस आवश्यक मिनरल की कम मात्रा लेने से आपको हाइपर पैराथायराइडिज्म (पीएचपीटी) जो एक तरह की हार्मोनल कंडीशन है, हो सकती है. अगर समय रहते इसका इलाज न किया गया तो आपकी हड्डियों का कैल्शियम सूख सकता है. हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के इस अध्ययन में पाया गया कि जो महिलाएं फल और सप्लीमेंट्स के जरिये ज्यादा कैल्शियम ग्रहण करती हैं उनमें पीएचपीटी, जो पैराथायराइड हार्मोन के अनियंत्रित रिसाव का कारण होता है, होने का खतरा कम हो जाता है. आप अपने भोजन और दूसरी सामग्री में कैल्शियम की मात्रा को थोड़ी सावधानी से बढ़ा सकते हैं

सॉफ्ट ड्रिंक कम - अत्यधिक मात्रा में फास्फोरस के कारण सॉफ्ट ड्रिंक्स शरीर के कैल्शियम ग्रहण करने की क्षमता में बाधा डालता है. साथ ही, पिज्जा, चिप्स या दूसरे सॉल्टी फूड्स के साथ सॉफ्ट ड्रिंक के सेवन से भी कैल्शियम अवशोषण में बाधा पहुंचती है क्योंकि इससे बढ़ा हुआ कैल्शियम यूरिन के जरिये नष्ट हो जाता है. साग-सब्जी का सेवन ब्रोकली, सलाद पत्ता, पत्ता गोभी और दूसरी पत्ते दार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं लेकिन समस्या यह है कि हरी सब्जियों में पाया जाने वाला कैल्शियम डायट्री उत्पाद की तुलना में शरीर में आसानी से अवशोषित नहीं हो पाता क्योंकि इनमें केमिकल लगा होता है. हालांकि यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है कि आप अपनी डाइट में ज्यादा कैल्शियम नॉन डेयरी प्रोडक्ट्स से पाते हैं. इसके लिए आप कैल्शियम से भरपूर कॉम्बीनेशन जैसे पालक या सलाद पत्ता को तिल या बीन्स (जो कैल्शियम का बेहतर स्रोत है) और चीज के साथ ले सकते हैं. विटामिन-डी भी जरूरी हड्डियों की सेहत के लिए विटामिन-डी बेहद जरूरी है और इसका कैल्शियम के साथ सह-क्रियाशीलता का संबंध है.

धूप- विशेषज्ञों के अनुसार, सर्दियों के दौरान विटामिन-डी की कमी के कारण हम 2 से 4 प्रतिशत बोन डेन्सिटी खो देते हैं. इस बात का विरोध करते हुए कई एक्सपर्ट्स अब इस बात की सलाह देते हैं कि दिनभर में 15 मिनट धूप में बिताने से हमारे शरीर को विटामिन-डी को प्राकृतिक रूप से बनाने में मदद मिलती है.

कॉफी कम - कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से कैल्शियम उत्सर्जन की दर बढ़ने के कारण हड्डियां कमजोर हो सकती हैं. इसलिए इस खतरे से बचने के लिए दिनभर में केवल दो कप कॉफी पियें. उच्च प्रोटीन से सावधान- जिनकी डाइट में एनीमल प्रोटीन ज्यादा होता है, वास्तव में उनकी हड्डियों से कैल्शियम का क्षरण होने लगता है. ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्रोटीन ऐसे तत्वों को तोड़ता है जो एसिडिक होते हैं और हमारे शरीर में मौजूद कैल्शियम उन्हें जमा करता जाता है. अगर आप अत्यधिक रेड मीट और अंडे का सेवन करते हैं तो आपको ज्यादा मात्रा में कैल्शियम लेने की जरूरत है.

मधुमेह से बचना है तो जी भर कर सोएं

अगर आप भरपूर नींद लेते हैं तो आप में टाइप-2 मधुमेह होने का जोखिम काफी कम हो जाता है. यह एक नये अध्ययन में दावा किया गया है. लास ऐंजिलिस बायोमेडिकल रिसर्च इस्टीट्यूट के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताहांत में तीन रात की अच्छी नींद काफी हद तक इंसुलिन की सक्रियता बढा देती जिसके न बनने और शरीर पर उसकी प्रतिक्रिया नहीं होने से यह बीमारी होती. प्रमुख अनुसंधानकर्ता डा. पीटर लिउ ने बताया कि हम सभी जानते हैं कि पर्याप्त नींद जरूरी है लेकिन अधिक काम की वजह से समय नहीं निकाल पाते. हमारे अध्ययन में पाया गया कि नींद के घंटे बढा देने से शरीर के इंसुलिन का इस्तेमाल करने की क्षमता बढती है और प्रौढ व्यक्तियों में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम कम हो जाता है. इंसुलिन किसी व्यक्ति के रक्त में शर्करा के स्तर को नियमित करने के लिये जिम्मेदार है. टाइप-2 मधुमेह के मरीज का शरीर उससे निकलने वाले इंसुलिन का कारगर ढंग से इस्तेमाल नहीं करता और इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करता. लिउ ने कहा कि अच्छी खबर है कि प्रौढ व्यक्ति जो अधिक काम की वजह से पर्याप्त नहीं सो पाते हैं वे अगर सोने के घंटे बढा दें तो यह जोखिम कम हो सकता है.

थायराइड से सबसे ज्यादा पीड़ित महिलाएं

थायराइड की बीमारी तेजी से बढ़ रही है. आंकड़ों की बात करें तो सवा चार करोड़ लोग देश में थायराइड की बीमारी से पीड़ित हैं. इनमें 80 प्रतिशत महिलाएं हैं. आश्चर्य की बात है कि 8-10 प्रतिशत मरीजों की पहचान हो सकी है. थायराइड बीमारी तीन प्रकार की होती है. थायराइड ग्रंथि से हार्मोन बनना बंद या कम हो जाय तो इसे हाइपोथायराइडिज्म कहते हैं जबकि थायराइड हार्मोन की मात्रा अधिक बनने लगती है तो उसे हाइपरथायराइडिज्म कहते हैं. जबकि तीसरी बीमारी घेंघा है. हाइपोथायराइडिज्म के मरीजों की संख्या सबसे अधिक होती है.

क्या है थायराइड?

थायराइड एक इंडोक्राइन ग्रंथि होती है जो गर्दन के निचले हिस्से में एडमस एप्पल के ठीक नीचे होती है. इसका काम थायरोक्सिन हार्मोन बनाकर खून तक पहुंचाना है जिससे शरीर का मेटाबोलिज्म नियंत्रित रहे. शरीर में थायराइड हार्मोन की मात्रा कम हो जाय तो सुस्ती औरअधिक होने पर शारीरिक क्रियाएं तेज हो जाती हैं. थायराइड ग्रंथि का पिटयूटरी ग्रंथि से नियंत्रण होता है जबकि पिटयूटरी ग्रंथि हाइपोथेलमस से नियंत्रित होती है. हाइपोथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर बढ़ जाता है और टी3 व टी4 की मात्रा कम हो जाती है. हाइपरथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर घट और टी3 व टी4 की मात्रा बढ़ जाती है.

हाइपोथायराइडिज्म

लक्षण - हमेशा थकान महसूस होना. बिना कारण वजन बढ़ना.

डिप्रेशन या अवसाद होना. हमेशा ठंड लगना. पेट में कब्ज बना रहना. अजीब तरह का दर्द महसूस होना. मासिक स्राव का अधिक होना. एकाग्रता की कमी होना. त्वचा और बाल रुखे हो जाना.

कारण - आयोडिन की कमी (एंडेमिक गोवाएटर) हशीमो टो थायरोडायटिस. सर्जरी या रेडियो आयोडिन थैरेपी के बाद. कुछ प्रकार की दवाइयों का सेवन.

हाइपरथायराइडिज्म

लक्षण - घबराहट या चिड़चिड़ा महसूस करना. अनियमित हृदय का धड़कना. गर्मी सहन न होना. हाथ में कंपन होना. अधिक पसीना आना. बिना कारण वजन कम होना. नींद न आना. थायराइड ग्रंथि का बढ़ना (घेंघा). मासिक स्राव का कम होना. प्रजनन शक्ति क्षीण होना.

कारण - ग्रेव डिजीज. टॉक्सिक मल्टी नोडल गोवाएटर. टॉक्सिक एडिनोमा. अधिक मात्रा में हार्मोन की गोली का सेवन.

इलाज - थायराइड की बीमारियों का इलाज बीमारी के प्रकार पर निर्भर करता है. हाइपोथायराइडिज्म में मरीज का इलाज सप्लीमेंट्री थैरेपी से किया जाता है. इसमें थायराइड के हार्मोन (थायरोक्सिन हार्मोन) बाहर से दिया जाता है. हाइपरथायराइडिज्म का इलाज तीन विधि से किया जाता है. पहली विधि में एंटी थायराइड ड्रग्स दी जाती है. दूसरी विधि में रेडियो एक्टिव आयोडिन से ग्रंथि को नियंत्रित किया जाता है जिसे रेडियो आयोडिन थैरेपी कहते हैं. तीसरी विधि में सर्जरी करके इलाज किया जाता है. वहीं घेंघा का एक मात्र इलाज ऑपरेशन होता है. बचाव थायराइड की बीमारी से बचाव के लिए अभी तक डॉक्टर आयोडिन युक्त नमक के सेवन की सलाह देते हैं जिससे शरीर में आयोडिन की मात्रा संतुलित रहे, थायराइड की बीमारियां न हो.

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने से होता है घेंघा

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने को ही घेंघा कहते हैं. इसमें थायराइड ग्रंथि बढ़कर गले के सामने की ओर गांठ के रूप में दिखाई देने लगती है. इसमें दर्द नहीं होता है. घेंघा के बढ़ने से सांस की नली, खाने की नली और आवाज की नस पर दबाव पड़ता है. घेंघा छाती के अंदर भी जा सकता है. घेंघा के बारे में लोगों की सोच होती है कि इससे शरीर पर कोई नुकसान नहीं होता है लेकिन कई बार देखा गया है घेंघा कैंसर में बदल जाता है. मरीज की जान पर बन आती है. थायराइड ग्रंथि में कई प्रकार के कैंसर होते हैं. इनमें पेपीलेरी थायराइड कैंसर, फोलीक्यू लर थायराइड कैंसर, मे डयूले री थायराइड कैंसर और अनॉप्लास्टिक थायराइड कैंसर शामिल है.

घेंघा में थायराइड कैंसर के लक्षण

अचानक कम उम्र में घेंघा का होना. पुराना घेंघा का अचानक से बढ़ना. घेंघा के साथ खाना निगलने में परेशानी होना. घेंघा होने पर सूखी खांसी के साथ खून आना. घेंघा के साथ गले के बगल में गांठ का बनना. घेंघा के साथ आवाज में परिवर्तन या भारी पड़ना.

रेक्जाविक के पास भयानक ज्वालामुखी विस्फोट

लंदन । आइसलैंड के राजधानी रेक्जाविक के पास भयानक ज्वालामुखी विस्फोट हुआ है। हालांकि, इस विस्फोट में किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ है। अधिकारीयों ने जानकारी दी कि विस्फोट में किसी को कोई हानि नहीं हुई है। ज्वालामुखी देश के दक्षिण-पश्चिम में रेक्जेन्स प्रायद्वीप पर स्थित है, जिसे भूकंपीय हॉटस्पॉट के रूप में जाना जाता है। विस्फोट से सबसे बड़े हवाई अड्डे से जोड़ने वाली मुख्य सड़क कुछ समय के बाधित हुई जिसके वजह से विमानों की उड़ान में देरी हुई। ज्वालामुखी विस्फोट आइसलैंड की राजधानी के सबसे बड़े हवाई अड्डे से केवल 20 मिल दूर हुआ है। यह इसके अंतिम विस्फोट के आधिकारिक तौर पर समाप्त होने के ठीक 11 महीने बाद आया है। यानि कि आइसलैंड में 2 साल के अंदर ये दूसरा सबसे बड़ा ज्वालमुखी विस्फोट है। मंगलवार को आइसलैंड प्रशासन ने पर्यटकों और अन्य दर्शकों को सावधानी बरतने की चेतावनी जारी की। उन्होंने कहा कि नजदीक न जाए क्योंकि माउंट फग्राडल्सफजाल से अभी भी भारी लावा और धुआं निकल रहा था।

वाहन की चपेट में आने से भारतीय श्र ?मिक की मौत, कंपनी में था ड्रायवर

सिंगापुर। सिंगापुर में एक भारतीय श्र ?मिक की वाहन के चपेट में आने से मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार वह श्र ?मिक अपने कार्यस्थल पर था, जहां एक वाहन ने टक्कर मार दी, ?जिससे 33 वर्षीय एक भारतीय श्रमिक की मौत हो गई। वह बीएसएन टेक इंजीनियरिंग में ड्राइवर था और जुरोंग वेस्ट में स्टार रेडी-मिक्स के साइट पर काम कर रहा था। जनशक्ति मंत्रालय, एमओएम के अनुसार, वह सामान उतारने के लिए एक टिपर ट्रक तैयार कर रहा था, तभी उसे एक रिवर्सिंग व्हील लोडर ने टक्कर मार दी। सिंगापुर सिविल डिफेंस फोर्स ने कहा कि एक पैरामेडिक ने उसे घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया। एमओएम ने कहा कि वह मामले की जांच कर रही है और उसने स्टार रेडी-मिक्स को वहां सभी वाहनों का संचालन बंद करने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि इस साल सिंगापुर में कार्यस्थल पर 14 मौतें हुई हैं। 2022 में 46 मौतें दर्ज की गईं। इसके पहले 2016 में सबसे अधिक 66 लोगों की मौत हुई थी। एमओएम ने कहा ?कि एक सामान्य सुरक्षा उपाय के रूप में, नियोक्ताओं को वाहनों से जोखिम को कम करने के लिए एक उचित यातायात प्रबंधन योजना लागू करनी चाहिए। यह घटना 20 वर्षीय एक अन्?य भारतीय नागरिक की कार्यस्थल पर हुई मौत के ठीक बाद हुई है, जिसकी सिंगापुर में इमारत का एक हिस्सा गिरने से उसकी चपेट में आकरी मौत हो गई थी। पिछले महीने छह घंटे से अधिक समय तक चले बचाव अभियान के बाद उनका शव मलबे से बाहर निकाला गया था।

चीन दौरे पर जाएंगे अमेरिका के विशेष दूत केरी

वाशिंगटन। चीन के पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि जलवायु मुद्दों पर अमेरिका के विशेष दूत जॉन केरी 16-19 जुलाई तक चीन का दौरा करेंगे, जो हाल के हफ्तों में बीजिंग की यात्रा करने वाले नवीनतम वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी हैं। केरी की यात्रा पिछले महीने राज्य सचिव एंटनी ब्लिंकन की यात्रा के बाद होगी और ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन के प्रस्थान के एक सप्ताह बाद होगी। उनकी अर्थव्यवस्थाओं के पैमाने को देखते हुए, जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों को रोकने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के लिए अमेरिका और चीन के बीच सहयोग को महत्वपूर्ण माना जाता है। बीजिंग में रहते हुए येलेन ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों को इस मुद्दे पर मिलकर काम करने की जरूरत है। जलवायु विशेषज्ञों ने कहा है कि चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव को देखते हुए, उन्हें उम्मीद नहीं है कि केरी की यात्रा से जलवायु वार्ता में बहुत अधिक गति आएगी।

कनाडा के ब्रैम्पटन मंदिर की तरफ से ट्रूडो को लिखा पत्र

- तत्काल आवश्यक कदम उठाने का किया आग्रह

टोरंटो । कनाडा के ग्रेटर टोरंटो एरिया या जीटीए के एक प्रमुख मंदिर ने खालिस्तान समर्थक तत्वों द्वारा विरूपण सहित देश में भारत विरोधी और हिंदू विरोधी गतिविधियों में वृद्धि के बारे में चिंता व्यक्त की है और प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से हस्तक्षेप की मांग की है। ट्रूडो को लिखे एक पत्र में ब्रैम्पटन में भारत माता मंदिर के अध्यक्ष जेफ लाल ने कहा कि मंदिर के निदेशक मंडल भारत विरोधी और हिंदू विरोधी गतिविधियों में हालिया वृद्धि पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करना चाहते थे। लाल ने ट्रूडो को लिखे अपने पत्र में कहा कि हम घृणा में चिंताजनक वृद्धि और इस मुद्दे को नियंत्रण से बाहर होने से पहले इसकी जड़ों तक संबोधित करने के लिए कनाडाई अधिकारियों द्वारा कार्रवाई की स्पष्ट कमी से परेशान हैं। इसने प्रधान मंत्री से इस मुद्दे के समाधान के लिए तत्काल और आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। यह पत्र शुक्रवार को मंदिर के सामने युद्ध क्षेत्र शीर्षक वाले पोस्टर देखे जाने के कुछ दिनों बाद आया है। इन पोस्टरों में ओटावा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा और टोरंटो में महावाणिज्यदूत अपूर्व श्रीवास्तव को निशाना बनाया गया था और मंदिर के स्वयंसेवकों ने इन्हें हटा दिया था। एक महीने में यह दूसरी बार था जब मंदिर को इस तरह निशाना बनाया गया। जून में अलगाववादी समूह सिख फॉर जस्टिस द्वारा आयोजित तथाकथित पंजाब जनमत संग्रह को बढ़ावा देने वाला एक और पोस्टर भी मंदिर के फ़ॉन्ट में लगाया गया था। पोस्टरों में शनिवार, 8 जुलाई को टोरंटो में भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर भारत विरोधी प्रदर्शन का समर्थन किया गया था।

चीन ने बेतहाशा गर्मी को लेकर जारी किया 'रेड अलर्ट'

बीजिंग । चीन में बेतहाशा गर्मी कोले कर रेड अलर्ट जारी किया गया है। यहां तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के अनुमान के बीच नियोक्ताओं को 'बाहरी काम' बंद करने का आदेश दिया है। शहरीय सरकार ने एक नोटिस में कहा कि, 卐संबंधित विभाग और इकाइयां हीटस्ट्रोक की रोकथाम और कूलिंग के लिए आपातकालीन उपाय करें।' बता दें कि दुनिया भर में, लोग उच्च तापमान सहन कर रहे हैं, क्योंकि पृथ्वी का औसत तापमान रिकॉर्ड ऊंचाई पर बना हुआ है। चीन ने सरकारी विभागों को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया कि बुजुर्गों और बीमार लोगों को घर से बाहर न निकलने को कहा गया है। इस बारे में 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि नियोक्ताओं को 'आउटडोर परिचालन बंद कर देना चाहिए'। दरअसल, बीजिंग में 10 दिनों तक तापमान 35 डिग्री सेल्सियस (95 डिग्री सेल्सियस) से ऊपर दर्ज किया गया, जो साल 1961 के बाद सबसे लंबी अवधि है। पहले अधिकारियों ने जुलाई के महीने में चरम मौसम और 'कई प्राकृतिक आपदाओं' की चेतावनी दी थी। रिपोर्ट के अनुसार, चीन की मौसम एजेंसी ने बीजिंग और करीब 12 अन्य क्षेत्रों के निवासियों को घर के अंदर रहने की सलाह दी है, क ?योंकि इस साल की पहली छमाही में चीन में हर महीने औसतन दिन का पारा 35 डिग्री से अधिक रहा। जून में बीजिंग में कुल 14 दिनों तक लू चली।

3 अरब डॉलर के कर्ज को मंजूरी, पाकिस्तान की डूबती नैया को मिल ही गया आईएमएफ का सहारा

इस्लामाबाद। वैश्विक ऋणदाता ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान के लिए बहुप्रतीक्षित .3 बिलियन के बेलआउट को मंजूरी दे दी। पाकिस्तान और आईएमएफ पिछले महीने एक कर्मचारी स्तर के समझौते पर पहुंचे थे, जिससे नकदी की कमी वाले देश के लिए बहुत जरूरी फंडिंग हासिल हुई है। आईएमएफ ने कहा कि उसके कार्यकारी बोर्ड ने पाकिस्तान के आर्थिक स्थिरीकरण कार्यक्रम का समर्थन करने के लिए नौ महीने में धन जारी करने के समझौते को मंजूरी दे दी है। यह घोषणा पाकिस्तान और आईएमएफ द्वारा प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ, वित्त मंत्री इशाक डार और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक के बाद योजना पर सहमत होने के दो सप्ताह से भी कम समय बाद आई है। यह व्यवस्था पाकिस्तान के लिए एक चुनौतीपूर्ण आर्थिक मोड़ पर आती है। आईएमएफ ने एक बयान में कहा, कठिन बाहरी वातावरण, विनाशकारी बाढ़ और नीतिगत गलत कदमों के कारण वित्तीय वर्ष 2023 में बड़े राजकोषीय और बाहरी घाटे, बढ़ती मुद्रास्फीति और आरक्षित बफ़र्स में कमी आई है। बाद में आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पिछले साल महत्वपूर्ण झटकों से बुरी तरह प्रभावित हुई है।

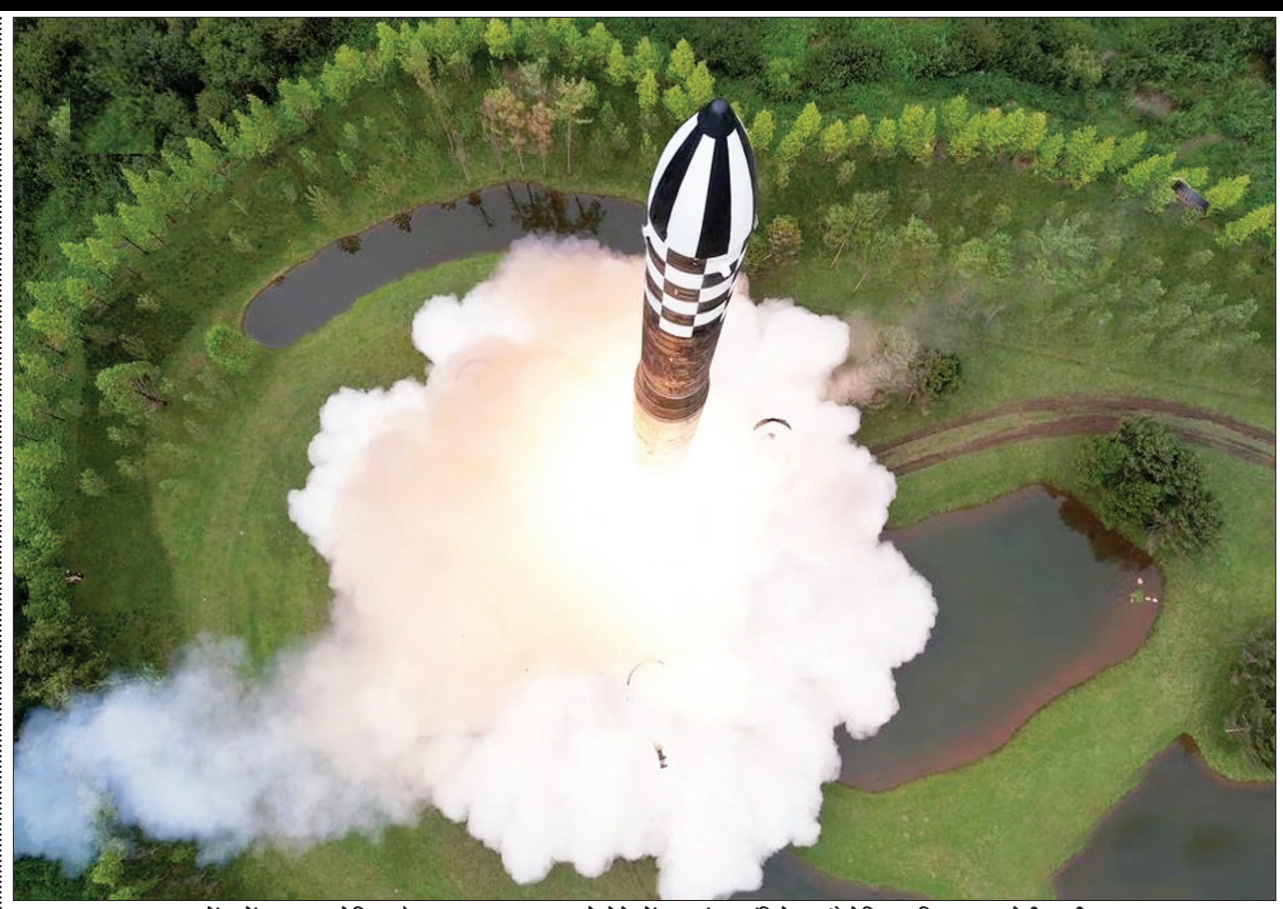

प्योंगयोंग उत्तर कोरिया के एक अज्ञात स्थल से हेवेसों-18 इंटरकांटिनेटल बैलेस्टिक मिसाइल छोड़ी गयी।

उत्तर कोरिया ने की पुष्टि, ह्वासोंग-18 बैलिस्टिक मिसाइल उसी ने दागी

सियोल। उत्तर कोरिया ने गुरुवार को पुष्टि की है कि उसने पिछले दिन ह्वासोंग-18 बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण के दौर पर दागी है। उत्तर कोरिया ने अमेरिका को आगाह करते हुए कहा कि हमने ही ठोस-ईंधन अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का परीक्षण किया था। इसके साथ ही उसके नेता किम जोंग-उन ने संकल्प लिया कि अमेरिका जब तक प्योंगयांग के खिलाफ अपनी शत्रुतापूर्ण नीति जारी रखेगा तब तक वह अपनी सेना को मजबूत करना जारी रखेंगे। प्योंगयांग के मी?डिया में आई खबरों के अनुसार उत्तर कोरिया ने देश की मुख्य हथियार प्रणाली की तकनीकी विश्वसनीयता और परिचालन विश्वसनीयता की पुष्टि करने के उद्देश्य से एक परीक्षण में ह्वासोंग -18 मिसाइल का एक नया प्रकार लॉन्च किया। एक रिपोर्ट के अनुसार, 13 अप्रैल को अपने पहले परीक्षण-फायरिंग के बाद इसने उत्तर कोरिया के दूसरे ठोस-प्रणोदक आईसीबीएम लॉन्च को चिह्नित किया।

गौरतलब है कि ठोस-ईंधन आईसीबीएम उच्च तकनीक हथियार प्रणालियों में से एक है, जिसे किम ने विकसित करने का संकल?प लिया है। ठोस-ईंधन मिसाइलों को तरल-प्रणोदक मिसाइलों की तुलना में लॉन्च से पहले पता लगाना कठिन माना जाता है, इसके लिए अधिक प्री-लॉन्च तैयारियों की आवश्यकता होती है। उत्तर कोरिया ने कहा कि पूर्वी सागर में पूर्व-निर्धारित क्षेत्र पर सटीक रूप से उतरने से पहले, ह्वासोंग -18 ने 6,648.4 किमी की अधिकतम ऊंचाई पर 4,491 सेकंड के लिए 1,001.2 किमी की उड़ान भरी थी। विशेषज्ञों के अनुसार, इसकी उड़ान का समय उत्तर कोरियाई आईसीबीएम के लिए अब तक का सबसे लंबा समय था, और यदि इसे एक मानक प्रक्षेपवक्र पर दागा जाता, तो मिसाइल 15 हजार किमी से अधिक उड़ान भर सकती थी।

अब समुद्र का सुपरपावर बनेगा भारत,

मोदी-मैक्रों की 96 हजार करोड़ वाली डील के बारे में सुनकर पाकिस्तान-चीन के छूटे पसीने

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के साथ चीन के लिए एक साथ कई खबरें फ्रांस से आ रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 से 15 जुलाई, 2023 तक फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात की आधिकारिक यात्रा पर हैं। वहां नौसेना के लिए फाइटर जेट सबमरीन के साथ हेलीकॉप्टर इंजन पर भी बड़े फैसले की उम्मीद है। फ्रांस में डील के बाद हिंद महासागर में भारत की ताकत कितनी बढ़ेगी और इसका चीन पाकिस्तान पर क्या असर होगा इसके बारे में आपको इस रिपोर्ट के माध्यम से बताते हैं। पीएम मोदी 14 जुलाई को बैस्टिल डे परेड में सम्मानित अतिथि होंगे, जहां त्रि-सेवाएं (सेना, नौसेना, वायु सेना) भारतीय सशस्त्र बल की टुकड़ी भाग लेगी। चैंप्स एलिसीज़ पर बैस्टिल दिवस परेड के बाद, औपचारिक प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता आयोजित की जाएगी। अपनी फ्रांस यात्रा के दौरान पीएम मोदी मैक्रों से औपचारिक बातचीत करेंगे। फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रॉन एलिसी पैलेस में अपने आधिकारिक आवास पर भारतीय प्रधान मंत्री के सम्मान में एक राजकीय भोज और एक निजी रात्रिभोज का भी आयोजन करेंगे।

क्यों अहम है पीएम मोदी का फ्रांस दौरा?

पीएम मोदी की पेरिस यात्रा का विशेष महत्व है क्योंकि इस वर्ष भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि प्रधान मंत्री मोदी की यात्रा रणनीतिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक, शैक्षणिक और आर्थिक सहयोग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भविष्य के लिए साझेदारी की रूपरेखा तैयार करने का अवसर प्रदान करेगी। ये उम्मीद है कि इस दौरान भारत सरकार फ्रांस के साथ 26 राफेल-एम और तीन स्कॉर्पीन पनडुब्बियों की खरीद को लेकर डील करे। यह डील करीब 96 हजार करोड़ रुपए की होगी।

तीन स्कॉर्पीन क्लास सबमरीन की डील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फ्रांस दौरे से उम्मीद लगाई जा रही है कि इस दौरान तीन स्कॉर्पीन क्लास सबमरीन की डील का ऐलान हो सकता है। इंडियन नेवी को इसकी सख्त जरूरत है, क्योंकि नेवी के पास इस वक्त 16 कन्वेंशनल सबमरीन ही सर्विस में हैं। ये भी काफी पुरानी हो गई हैं। नेवी को नई सबमरीन की जरूरत है और छह अडवांस्ड कन्वेंशनल सबमरीन के लिए प्रोजेक्ट-75 इंडिया में पहले ही देर हो चुकी है। अगर फ्रांस के साथ तीन अतिरिक्त सबमरीन का ऐलान होता है तो नेवी को कम होती सबमरीन के बीच कुछ राहत मिल सकती है।

नेवी के पास कितनी सबमरीन

नेवी के पास इस वक्त जो सबमरीन हैं, उसमें सात रूस की किलो-क्लास सबमरीन हैं, चार जर्मनी की एचडीडब्लू सबमरीन हैं और पांच फ्रांस की स्कॉर्पीन क्लास सबमरीन हैं। इसमें से भी जो किलो क्लास और एचडीडब्लू सबमरीन हैं वह पुरानी हो गई हैं। उनकी लाइफ बढ़ाने के लिए मिडियम रीफिट- लाइफ सर्टिफिकेशन प्रोग्राम चल रहा है। इसमें सबमरीन को अपग्रेड किया जाता है और इससे उसकी लाइफ करीब 10-15 साल बढ़ जाती है। रूस से भारत ने 10 किलो क्लास सबमरीन ली थी। इसमें सिंधुरक्षक एक्सिटेंड में नष्ट हो गई, सिंधुवीर को म्यांमार को दे दिया गया और सिंधुध्वज 35 साल की सर्विस के बाद जुलाई 2020 मे नेवी से डीकमिशन हो गई। किलो क्लास की एक सबमरीन INS सिंधुकीर्ति को हाल में नॉर्मल रीफिट किया गया है।

सीमा हैदर के भारत आते ही पाकिस्तान में हिंदुओं पर खुलेआम हमले की धमकी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान से भारत भाग कर आईं सीमा हैदर भले ही भारत की जेल में रहना मुनासिब समझ रही है, लेकिन पाकिस्तान में हिन्दुओं को मारने की खुलेआम धमकी दी जा रही है। गौरतलब है कि सीमा हैदर ने अपनी मोहब्बत के लिए भारत आकर पाकिस्तान में रह रहे हिंदुओं के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। बता दें कि सीमा हैदर की मुलाकात पबजी गेम के जरिए भारत के सचिन से हुई थी। कुछ दिनों की बातचीत के बाद वह सबकुछ छोड़कर भारत आ गईं और उन्होंने हिंदू धर्म अपना लिया। लेकिन उनके भारत आने के कारण कट्टरपंथी पाकिस्तान में रहने वाले हिंदुओं और मंदिरों पर हमले की धमकी दे रहे हैं। सीमा हैदर मामले के बाद डकैतों की ओर से धमकी के कारण सिंध के हिंदू डरे हैं। लोगों ने मंदिरों में जाना कम कर दिया है। वहां के डकैतों की ओर से धमकी मिलने के बाद मंदिरों के करीब और स्थानीय इलाकों में पुलिस बल तैनात किया गया है। सिंध के कच्चा इलाके में गैंग चलाने वाले डकैत उमर शार ने धमकी दी है कि अगर हमारी सीमा का मुद्दा हल नहीं हुआ तो मैं बक्शपुर, काशमोर और बाकी इलाकों में मंदिरों पर हमला करूंगा। जब वह धमकी भरा वीडियो बना रहा था तब उसके हाथ में कई ग्रेनेड थे। वह अपने साथियों के साथ बैठा था। उसने यह भी कहा कि इन लोगों को पहले ही टार्गेट सौंप दिए गए हैं। सिंध के डकैत उमर शार ने एसएसपी घोटकी तनवीर तुनियो को चेतावनी देते हुए कहा कि पुलिस भी हमले से हिंदुओं को नहीं बचा पाएगी। सोशल मीडिया पर उसके कई वीडियो सामने आ रहे हैं, जिससे ऐसा लग रहा है, कि सीमा की घर वापसी का जिम्मा डकैतों ने उठा लिया है। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार हिंदू मंदिरों की देखभाल करने वालों को उनकी एक्टिविटी को प्रतिबंधित करने का निर्देश दिया गया है। यहां के एक स्थानीय हिंदू ने बताया कि इलाके में होने वाला एक सत्संग सुरक्षा को देखते हुए रद्द कर दिया गया। यहां 300 महिलाएं सत्संग में पूजा करती हैं। लेकिन एहतियाती उपाय के तहत हमने इसे रद्द कर दिया है। एक अन्य स्थानीय हिंदू ने कहा, कोई उचित सुरक्षा नहीं है। मैं इससे संतुष्ट नहीं हूं। वहीं एक शख्स ने कहा कि सीमा के मामले से हमारा कोई संबंध नहीं है। सिंध में कानून व्यवस्था हिंदुओं के अनुकूल नहीं है। हमारी लड़कियों का नियमित अपहरण हो रहा है और उन्हें जबरन इस्लाम कबूल कराया जा रहा है।

चांद पर इंसान को भेजने की तैयारी में चीन

-अमेरिका ने 50 साल पहले भेजा था

बीजिंग (एजेंसी)। पूरी दुनिया वर्तमान में चांद पर पहुंचना चाहती है। अमेरिका ने आज से 50 साल पहले इंसान को चांद पर भेजा था। भारत चंद्रयान-3 मिशन के द्वारा अपना रोवर चांद पर भेजना चाहता है। वहीं चीन चांद पर इंसानों को भेजने वाला दूसरा देश बनना चाहता है। चीनी अधिकारियों नें अपने मानवयुक्त चंद्रमा मिशन से जुड़ी खोज के विवरणों का खुलासा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी (सीएमएसए) के उप मुख्य इंजीनियर झांग हैलियन ने वुहान में एक एयरोस्पेस शिखर सम्मेलन में प्लान का खुलासा किया।

हैलियन के मुताबिक यह मिशन 2030 से पहले होने की उम्मीद है। चांद पर रिसर्च स्टेशन स्थापित करने की परियोजना का हिस्सा है। हैलियन ने कहा कि चांद पर जाने वाले अंतरिक्ष यात्री रिसर्च स्टेशन के निर्माण करने के बेहतरीन तरीकों का पता लगाएंगे। डॉकिंग के बाद अंतरिक्ष यान में सवार चीनी अंतरिक्ष यात्री लैंडर में प्रवेश होगा, जो चंद्रमा की सतह पर उतरेगा।

चांद पर रहते हुए वे नमूने इकठ्ठा करने और कई वैज्ञानिक जांच करने वाले हैं। यहां से बाद में वह फिर लैंडर में जाएंगे जो उड़ान भर कर फिर से अंतरिक्ष यान के साथ जुड़ेगा और उन्हें वापस पृथ्वी पर लाएगा। चीनी वैज्ञानिक वर्तमान मिशन से जुड़ी तैयारी कर रहे हैं। वह मूनसूट, मानवयुक्त चंद्र रोवर, मानवयुक्त अंतरिक्ष यान और मून लैंडर सहित सभी उपकरणों को विकसित करने में व्यस्त हैं।

यूक्रेन की मदद करने उतरे जी-7 देश, गुस्साएं रुसी मंत्री ने दी तीसरे विश्वयुद्ध की धमकी

मॉस्को (एजेंसी)। नाटो शिखर सम्मेलन में यूक्रेन के लिए एक सुरक्षा पैकेज पर हस्ताक्षर हुए हैं। यह देखकर पुतिन के सहयोगी दिमित्री मेदवेदेव ने चेतावनी दी है कि दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध के मुहाने पर खड़ी है। क्रेमलिन की शक्तिशाली सुरक्षा परिषद के उप सचिव मेदवेदेव ने कहा कि ये सहायता रूस को अपने लक्ष्यों को हासिल करने से नहीं रोक सकेगी। लिथुआनिया में नाटो शिखर सम्मेलन के खत्म होने के पहले दिन मेदवेदेव ने कहा, पूरी तरह से पागल पश्चिम और भी कुछ नहीं सोच सका। तीसरा विश्वयुद्ध करीब है।

उन्होंने कहा, ये सब हमारे लिए क्या मायने रखता है। स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन अपने लक्ष्यों के साथ जारी रहेगा। इस बीच जी-7 देशों ने नाटो शिखर सम्मेलन से अलग एक संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर कर यूक्रेन के साथ जब तक संभव हो तब तक खड़े होने का वादा किया। यूके, अमेरिका, जापान, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी और इटली के नेताओं ने एयर डिफेंस सिस्टम, आर्टिलरी, बख्तरबंद गाड़ियां देने से जुड़ा समझौता किया। वहीं ब्रिटेन का और भी ज्यादा यूक्रेनी पायलटों को ट्रेनिंग देगा।

ब्रिटेन का कहना है कि जो भी ऑफर किया जाएगा, वह एग्रीमेंट में लिखा होगा। जी-7 नेताओं ने एक संयुक्त घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किया। यूक्रेन की डिफेंस इंडस्ट्री को बढ़ावा देने और साइबर सपोर्ट का भी लक्ष्य जी-7 ने रखा है। इसके साथ ही जी-7 देशों ने यूक्रेन को नाटो सदस्य बनाने पर प्रतिबद्धता जाहिर की हैं।

इस दौरान लगातार बढ़ रहे युद्ध के बीच मेदवेदेव ने बार-बार न्यूक्लियर वॉर की धमकी दी। हफ्ते भर पहले उन्होंने चेतावनी दी थी कि दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध की कगार पर खड़ी है और परमाणु युद्ध का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके लिए पश्चिमी देश दोषी हैं। वहीं, पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने मेदवेदेव की धमकियों को दोगुना किया है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने इंडोनेशिया में आसियान समूह के अपने समकक्षों के साथ चर्चा की

जकार्ता (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ 'आसियान' के अपने समकक्षों के साथ सार्थक वार्ता की और और फिनटेक, खाद्य सुरक्षा और नौवहन सहित विविध क्षेत्रों में सहयोग में प्रगति की समीक्षा की। जयशंकर अभी इंडोनेशिया की राजधानी में आसियान देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने आए हैं। जयशंकर ने सिंगापुर के भारतीय मूल के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन से मुलाकात की और समग्र सामरिक गठजोड़ के अनुपालन में हुई प्रगति का उल्लेख किया। विदेश मंत्री जयशंकर ने ट्वीट किया, '' आज सुबह आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की गर्मजोशी भरी और सार्थक बैठक हुई। मेरे साथ सह अध्यक्षता करने के लिए विवियन बाला का धन्यवाद। समग्र सामरिक गठजोड़ के अनुपालन में हुई प्रगति को नोट किया।''

उन्होंने कहा, ''डिजिटल, फिनटेक, खाद्य सुरक्षा और नौवहन जैसे क्षेत्रों में अधिक ध्यान केंद्रित करने पर चर्चा की। म्यांमा की स्थिति पर विचारों का आदान प्रदान किया।'' जयशंकर ने कहा कि विवियन बाला से मुलाकात सुखद रही और वर्तमान वैश्विक स्थितियों एवं चुनौतियों पर अच्छी चर्चा हुई। ''हमारे द्विपक्षीय संबंधों में हाल के घटनाक्रम का सकारात्मक आंकलन किया।'' म्यांमा में फरवरी 2021 में तख्तापलट के बाद सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया था और इसके बाद से देश में लोकतंत्र बहाली की मांग को लेकर व्यापक विरोध प्रदर्शन चल रहा है। म्यांमा में सेना द्वारा विरोधियों के खिलाफ हवाई हमला किये जाने की खबरें भी आई थीं। इंडोनेशिया की राजधानी में विदेश मंत्री जयशंकर ने ब्रुनेई के अपने समकक्ष दातो इराइवान पेहिन युसुफ से भी मुलाकात की।

जयशंकर ने ट्वीट किया, '' आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर ब्रुनेई के विदेश मंत्री दातो इराइवान पेहिन युसुफ से मुलाकात की। हमारा द्विपक्षीय सहयोग सतत रूप से बढ़ रहा है। कारोबार बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया।'' उन्होंने कहा, '' हमने खाद्य सुरक्षा, आवाजाही, अंतरिक्ष सहयोग जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की।'' आसियान देशों में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमा, फिलिपीन, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम शामिल हैं। जयशंकर ने इंडोनेशिया की विदेश मंत्री रेंटो मार्सुदी से मुलाकात की। उन्होंने ट्वीट कर यह जानकारी दी। विदेश मंत्री ने कहा कि रेंटो मार्सुदी के साथ द्विपक्षीय संबंधों का जायजा लिया और जी20 के त्रिगुट सदस्य के रूप में इंडोनेशिया के समर्थन को हम महत्व देते हैं।

बैठक से इतर जयशंकर ने दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री पार्क जिन से मुलाकात की और महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की। उन्होंने ट्वीट कर कहा '' हमने अप्रैल में उनकी भारत यात्रा के दौरान हुई चर्चा को आगे बढ़ाने पर बातचीत की। '' विदेश मंत्री ने कहा, '' हमने महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की।'' जयशंकर ने न्यूजीलैंड की विदेश मंत्री ननाया महुता से भी मुलाकात की। उन्होंने ट्वीट किया, ''न्यूजीलैंड की विदेश मंत्री ननाया महुता से मुलाकात अच्छी रही। आसियान हमारे बीच के इतने लोगों को साथ ले आया।'' विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को इंडोनेशिया, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया और वियतनाम समेत विभिन्न देशों के अपने समकक्षों के साथ कई बैठकें कीं और द्विपक्षीय सहयोग एवं आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा की थी।

भारी होमवर्क देने वाले शिक्षक पर पॉक्सो का केस दर्ज

तुमकुरु । अब छात्रों पर भारी होमवर्क का दबाव डालना भी शिक्षकों को मुश्किल में डाल रहा है। हाल ही में मिली जानकारी के अनुसार राज्य के जिले में छात्रों पर होमवर्क का बोझ डालने और कक्षा में उन्हें प्रताड़ित करने के आरोप में एक शिक्षक के खिलाफ पॉक्सो का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी है। चिक्कनायकनहल्ली पुलिस के अनुसार, एच.एस. गोडेकेरे सरकारी स्कूल से जुड़े गणित के शिक्षक रवि छात्रों को भारी होमवर्क देते थे। इसे बाद यदि वे काम पूरा करने में असफल रहे, तो वह उन्हें कक्षा में प्रताड़ित भी किया करते। सज़ा और यातना सहने में असमर्थ छात्रों ने शिक्षक के बारे में अपने माता-पिता से शिकायत की। उन्होंने उसके दंड और दुर्व्यवहार के डर से स्कूल जाने से भी इनकार कर दिया। इसके बाद माता-पिता ने चिक्कनायकनहल्ली पुलिस से संपर्क किया, जिसने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के प्रावधान के तहत मामला दर्ज किया। मामले में फिलहाल जांच चल रही है। शिक्षकी की गिरफ्तारी भी होन वाली है।

रास्ता खुलते ही 9 हजार से अधिक तीर्थयात्री पहुंचे अमरनाथ, किए दर्शन

श्रीनगर । पवित्र गुफा की ओर जाने वाला रास्ता खुलते ही आज अमरनाथ यात्रा आगे बढ़ी। जानकारी के अनुसार अमरनाथ यात्रा के 12वें दिन 9,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर में पहुंचकर पवित्र शिव लिंग के दर्शन किए, जबकि 9,241 भक्तों का एक और जत्था गुरुवार को जम्मू से कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। तीर्थयात्रियों का नया जत्था 306 वाहनों के काफिले में गुरुवार सुबह भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुआ। अधिकारियों ने कहा, 卐9,241 तीर्थयात्रियों में से 3,206 बालटाल आधार शिविर जा रहे हैं, जबकि 6,035 पहलगाम बेस कैंप की ओर जा रहे हैं। गौरतलब है कि इस साल की अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई को शुरू होने के बाद से अब तक 19 तीर्थयात्रियों की प्राकृतिक कारणों से मौत हो चुकी है। यात्री हिमालय गुफा मंदिर तक या तो पारंपरिक पहलगाम मार्ग से पहुंचते हैं, जिसमें 43 किमी की चढ़ाई शामिल होती है या उत्तरी कश्मीर बालटाल बेस कैंप से, जिसमें 13 किमी की चढ़ाई शामिल होती है। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में तीन से चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग लेने वाले लोग गुफा मंदिर के अंदर दर्शन करने के बाद उसी दिन आधार शिविर में लौट आते हैं। दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं। 62 दिनों तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा 31 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा उत्सव के साथ समाप्त होगी।

आंध्रप्रदेश में टमाटर किसान की हत्या, टमाटर बेचकर कमाए थे 30 लाख

अमरावती। आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले में एक टमाटर किसान की लूट के लिए हत्या की गई। नरेम राजशेखर रेड्डी (62) की बोडिमल्लादिने गांव में हत्या कर दी गई। पुलिस को आशंका है कि उसकी हत्या मंगलवार की रात उस समय की गई, जब वह दूध देने गांव जा रहा था। हमलावरों ने किसान को रोककर उसके हाथ-पैर बांध दिए और तौलिए से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। गांव से दूर एक खेत में रह रहा किसान दूध देने के लिए गांव जा रहा था। उनकी पत्नी ने पुलिस को बताया कि कुछ अज्ञात लोग टमाटर खरीदने के बहाने खेत में आए थे। जब पत्नी ने उन्हें बताया कि उसका पति गांव गया है, तब वे वहां से चले गए। बताया जा रहा है कि किसान ने हाल ही में कृषि बाजार में टमाटर बेचकर 30 लाख रुपये कमाए हैं। हत्या के तार इससे जुड़े होने की आशंका है। पुलिस इसकी जांच कर रही है कि किसान के पास कोई पैसा था या नहीं। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) केशप्पा ने कहा कि मामले को सुलझाने के लिए चार टीमों का गठन किया गया है। पुलिस ने जांच के तहत एक खोजी कुत्ते को तैनात किया। कुत्ता घटनास्थल से होते हुए मृतक के घर तक चला गया। पुलिस को आशंका है कि 3-4 लोगों ने मिलकर हत्या की है। किसान के परिवार में उसकी पत्नी और दो बेटियां हैं। दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है और वे बेंगलुरु में रहती हैं।

गुड्डू मुस्लिम तो दूर, शाइस्ता और जैनब तक भी नहीं पहुंच पा रही पुलिस

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए चुनौती बना गुड्डू मुस्लिम का कहीं कोई अतापता नहीं है। इसके साथ ही शाइस्ता व जैनब तक भी पुलिस नहीं पहुंच पा रही है। गौरतलब है कि प्रयागराज में 24 फरवरी को सरेआम बीच सड़क पर वकील उमेश पाल की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी माफिया अतीक अहमद के बेटे असद अहमद को एनकाउंटर में मार गिराया था। तीन अन्य आरोपियों का एनकाउंटर हो चुका है। लेकिन, इस घटना के दौरान झोले से बम निकाल कर दिखाने वाला गुड्डू मुस्लिम अब तक पुलिस के चंगुल से फरार है। गुड्डू मुस्लिम को लेकर मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक खासा बवाल मचा। बमबाज गुड्डू मुस्लिम की बमबाजी के किस्से कहे-सुने जाने लगे। लेकिन, 24 फरवरी की घटना को अंजाम देने के फरार बमबाज के गिरेबां तक यूपी पुलिस के हाथ नहीं पहुंच पाए हैं। गुड्डू मुस्लिम के साथ-साथ घटना को अंजाम दिलाने में बड़ी भूमिका निभाने वाली माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस लगातार उमेश पाल के कातिलों को ढूंढ निकालने के दावे करती है, लेकिन गिरफ्तारी की कार्रवाई अब तक नहीं हो सकी है। जानकारी के अनुसार इस घटना को पांच माह हो गए हैं, इसके बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। पुलिस अब भी सवालों पर जांच जारी होने की बात कर रही है। कोई ठोस जानकारी किसी भी स्तर से नहीं मिल पा रही है। उमेश पाल मर्डर के पांच माह बाद भी सवाल वही है, आखिर गुड्डू मुस्लिम कहां गया? इस सवाल का जवाब न तो प्रयागराज पुलिस के पास है। न ही उमेश पाल केस की जांच करने वाली एसआईटी ही इस संबंध में कोई जवाब दे पा रही है। यूपी एसटीएफ की ओर से मामले की जांच के क्रम में देश के कई इलाकों में छापे मारे गए। गुड्डू मुस्लिम के बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गोवा, मुंबई, नागपुर में छिपे होने की बात सामने आई। यूपी के मेरठ, श्रावस्ती से लेकर झांसी तक छापे मारे गए। लेकिन, गुड्डू मुस्लिम को पकड़ने में पुलिस कामयाब नहीं हुई। प्रयागराज पुलिस की ओर से उस पर 5 लाख रुपए का इनाम घोषित किया है।

80 प्रतिशत लोगों की एक राय...प्लास्टिक थैलियों को पेपर बैग से बदला जाए

नई दिल्ली । भारत में प्लास्टिक थैलियों के इस्तेमाल को लेकर एक सर्वे किया गया है। देश भर के आठ लाख से अधिक लोगों को सर्वे में शामिल किया गया। जिसमें 80 प्रतिशत लोगों का कहना है कि प्लास्टिक की थैलियों को पूरी तरह से पेपर बैग से बदला जाए। विश्व पेपर बैग दिवस के अवसर पर, प्लास्टिक बैग के विकल्प के रूप में पेपर बैग को अपनाने के प्रति लोगों की जागरूकता और इच्छा को जानने के लिए राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण को सार्वजनिक किया। सर्वेक्षण में हिस्सा लेने वाले 85 प्रतिशत लोगों को जानकारी है कि भारत में एकल-उपयोग प्लास्टिक बैग पर प्रतिबंध है। सर्वे के परिणामों से पता चला कि करीब 79 प्रतिशत लोग जब किराने का सामान और रोजमर्रा की वस्तुओं की खरीदारी के लिए बाहर निकलते हैं तो अपना बैग खुद ले जाते हैं। इसके अलावा, सर्वेक्षण में शामिल 46 प्रतिशत लोग दुकानदारों द्वारा प्लास्टिक बैग की पेशकश करने पर सक्रिय रूप से स्वीकार करने से इनकार कर देते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे खरीदारी करते समय दुकानों द्वारा उपलब्ध कराए गए पेपर बैग के लिए थोड़ी सी राशि का भुगतान करने में सहज हैं, तब 62 प्रतिशत लोगों ने पॉजिटिव जवाब दिया। सर्वेक्षण में शामिल लगभग 80 प्रतिशत लोगों का मानना है कि शानदार भविष्य के निर्माण की दिशा में एक कदम के रूप में सभी दुकानों में प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर पेपर बैग का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

तीसरी कक्षा के छात्र ने सातवीं कक्षा के छात्र को चाकू मारा

शाजापुर । 9 साल का बच्चा कैसे हिंसक हो सकता है। इसका उदाहरण है, शाजापुर जिले के महुपुरा स्थित शासकीय विद्यालय में 2 छात्रों के बीच में कहासुनी हुई। तीसरी कक्षा में पढ़ने वाले छात्र ने अपने साथी के साथ मिलकर अपने से बड़े सातवीं कक्षा के छात्र पर चाकू से हमला कर दिया। हमला करने के बाद छात्र वहां से फरार हो गए। स्कूल शिक्षक घायल छात्र को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे जहां उसकी मलहम पट्टी कराई गई। भोजन अवकाश के दौरान यह घटना हुई। घायल छात्र के परिजनों के अनुसार उनका बच्चा साइकिल चलाने और खेलने जाता था।

रास्तों में फंसे यात्रियों को निकालना पहली प्राथमिकता, राहत व बचाव कार्य में तेजी

-उत्तराखंड के सीएम धामी ने डीएम व एसएसपी को दिए सख्त निर्देश, सड़कों को खोलने के प्रयास

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में आई भयानक बाढ़ व लैंडस्लाइड की घटनाओं ने जनजीवन को बुरी तरह अस्तव्यस्त करके रख दिया है। हालांकि यहां पर राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी हैं। सरकार का प्रयास है कि पहले रास्तों में फंसे हुए यात्रियों को किसी भी तरीके से निकालना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस संबन्ध में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार की शाम सचिवालय में शासन के उच्चाधिकारियों के साथ आयुक्तों एवं जिलाधिकारियों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनपदों में आपदा की स्थिति तथा राहत एवं बचाव कार्यों की जनपदवार समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों से नदियों के जलस्तर, लैंडस्लाइड, बंद सड़कों, जानमाल की क्षति मुआवजा वितरण आदि की गहनता से समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि राजमार्गों के साथ ग्रामीण सड़कों को खोलने की सुचारु व्यवस्था के साथ आवश्यक उपकरणों की प्रभावित स्थलों पर व्यवस्था की जाए। सीएम ने जिलाधिकारियों से जनपदों के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में स्थित चिकित्सालयों में डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टॉफ की रोटेशन के आधार पर व्यवस्था के साथ पर्याप्त मात्रा में दवाईयों की व्यवस्था तथा खाद्यान आपूर्ति बनाए रखने पर ध्यान देने को कहा।

सीएम ने कहा कि वर्षा काल के दौरान हमें हर साल आपदा का सामना करना पडता है। उन्होंने विभागीय प्रमुखों से ऐसे कठिन समय में लोगों की सहायता के लिये उनके साथ खडे होने की अपेक्षा करते हुए जिलाधिकारियों एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को राहत एवं बचाव कार्यों में लीड लेकर फील्ड में उतरने को कहा। आपदा राहत एवं बचाव कार्यों में सभी विभाग टीम भावना एवं सकारात्मक ऊर्जा के साथ कार्य करें तथा इसे अपनी जिम्मेदारी समझे। यह समय पीडितों के साथ खडे होने का है। आपसी समन्वय एवं सहयोग से ही हम आपदा की चुनौतियों का सामना बेहतर ढंग से कर पायेंगे। सीएम ने हरिद्वार सहित अन्य जनपदों के ड्रेनेज एवं फ्लड मैनेजमेंट की प्रभावी दीर्घकालीन योजना बनाने पर बल दिया। यद्यपि प्रदेश में अभी स्थिति नियन्त्रण में है किन्तु चुनौती बनी हुई है। इसके लिये हर समय एलर्ट व एक्टिव मोड में रहने की जरूरत है।

सीएम ने चारधाम एवं कांवड़यात्रा की व्यवस्थाओं को भी व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी लोग यात्रा से सुरक्षित लौटें उन्हें किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो। सड़क बंद होने की स्थिति में यात्रियों के आवास आदि की सन्तोषजनक व्यवस्था हो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बैठक में मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव अरविंद सिंह ह्यांकी, सचिव मुख्यमंत्री विनय शंकर पाण्डेय, अपर पुलिस महानिदेशक वी मुरूगेशन, आई जी एस.डी.आर.एफ रिद्धिम अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी एवं वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से आयुक्त एवं जिलाधिकारी मौजूद थे।

अगर सीमा हैदर वापस नहीं आईं तो भारत बर्बाद हो जाएगा 26/11 की तरह, मुंबई पुलिस को मिली धमकी

मुंबई। अगर सीमा हैदर वापस नहीं आईं तो भारत बर्बाद हो जाएगा 26/11 की तरह, ऐसी धमकी मुंबई पुलिस को मिली है. दरअसल मुंबई पुलिस के ट्रैफिक कंट्रोल को एक और धमकी भरा मैसेज मिला है. इससे एक बार फिर हड़कंप मच गया है और मुंबई पुलिस साइबर पुलिस की मदद से इस मामले की जांच कर रही है. पुलिस को संदेह है कि यह हरकत किसी अज्ञात व्यक्ति ने नशे या शरारत के तहत की है. मैसेज पोस्ट करने वाले शख्स ने कहा, अगर सीमा हैदर वापस नहीं आईं तो भारत की बर्बादी... 26/11 जैसी वापसी के लिए खुद को तैयार कर लीजिए। इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार जिम्मेदार होगी। इस मैसेज के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. आपको बता दें कि पाकिस्तान की रहने वाली सीमा हैदर नाम की एक महिला अपने बच्चों के साथ नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में घुस आई है. उसे उत्तर प्रदेश के नोएडा के रहने वाले सचिन नाम के युवक से प्यार हो गया. अपने पति को छोड़कर भारत आने के बाद उसके इस फैसले का पाकिस्तान में विरोध हो रहा है और कई भारतीय नागरिक उसके इस कदम का समर्थन कर रहे हैं. पाकिस्तान में सीमा हैदर के पति उन्हें वापस भेजने की मांग कर रहे हैं. सड़क के रास्ते अवैध तरीके से भारत में दाखिल होने के बाद से सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं. ज्ञात हो कि इससे पहले भी मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम को कई धमकी भरे कॉल आ चुके हैं. पुलिस कंट्रोल रूम को भी 26/11 जैसा हमला दोहराने, मुंबई में 1993 का बम धमाका, सीएसएमटी स्टेशन पर बम विस्फोट दोहराने की कई धमकियां मिल चुकी हैं। लेकिन ये धमकियाँ किसी मनोरोगी या नशे में धुत व्यक्ति द्वारा दी गई थीं। उधर पुणे पुलिस को भी कई बार किसी मनोरोगी ने फोन किया है कि रेलवे स्टेशन पर बम है.

बेंगलुरु में विपक्षी दलों की बैठक में शामिल होंगे नीतीश और लालू

- आम आदमी पार्टी को भी दिया गया है निमंत्रण

जम्मू (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 17 और 18 जुलाई को बेंगलुरु में होने वाली दूसरी संयुक्त विपक्ष की बैठक में भाग लेंगे। जनता दल-यूनाइटेड (जेडी-यू) के वरिष्ठ नेता और बिहार के मंत्री संजय कुमार झा ने इस बात की जानकारी दी है। मीडिया कर्मियों से बात करते हुए, झा ने कहा कि पटना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विरोधी 15 दलों के प्रमुखों की उपस्थिति वाली पहली मेगा विपक्षी बैठक का परिणाम सकारात्मक रहा। बेंगलुरु 18 में संयुक्त विपक्ष की दूसरी बैठक में कुल 24 दलों के शामिल होने की संभावना है। बेंगलुरु बैठक में शामिल होने वाले बिहार के अन्य प्रमुख लोगों में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव भी शामिल हैं।

आम आदमी पार्टी को भी निमंत्रण

राजद छह-दलीय महागठबंधन सरकार में एक प्रमुख घटक है। बेंगलुरु बैठक में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के भी शामिल होने की संभावना है। जबकि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग एक नई प्रविष्टि है, अध्यादेश मुद्दे पर कांग्रेस के समर्थन के मुद्दे पर पटना में पहली बैठक में स्पष्ट टकराव के बाद आम आदमी पार्टी को भी निमंत्रण दिया गया है। इस महीने की शुरुआत में, लालू यादव ने कहा था कि बेंगलुरु में विपक्षी नेताओं की दूसरी बैठक निर्णायक होगी क्योंकि 2024 के आम चुनावों में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को बाहर करने के लिए प्रस्तावित मोर्चे को अंतिम रूप दिया जाएगा।

17-18 जुलाई को बेंगलुरु में अगली बैठक

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने 17-18 जुलाई को बेंगलुरु में होने वाली अगली एकता बैठक में भाग लेने के लिए शीर्ष विपक्षी नेताओं को आमंत्रित किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने शीर्ष विपक्षी दल के नेताओं को संबोधित एक पत्र में उन्हें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बुलाई गई 23 जून को पटना में आयोजित विपक्षी बैठक में उनकी भागीदारी के बारे में याद दिलाया। अपने पत्र में खड़गे ने लिखा कि बैठक एक बड़ी सफलता थी क्योंकि हम विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की और एक साथ चुनाव लड़ने पर सहमत हुए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने में सक्षम हुए जो हमारी लोकतांत्रिक राजनीति को खतरे में डालते हैं।

लोकसभा चुनावों की रणनीति में जुटी मायावती, दिल्ली में बैठकर रखेंगी नजर

-बसपा सुप्रीमों का अगले दो-तीन महीने दिल्ली में होगा ठिकाना, पार्टी नेताओं से मिलेंगी

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनावों की रणनीति बनाने के लिए बसपा ने अपनी तैयारी शुरु कर दी है। इसके लिए पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती अगले एक-दो महीने तक दिल्ली में रहेंगी। राष्ट्रीय राजधानी में अपने प्रवास के दौरान, वह विभिन्न राज्यों के पार्टी नेताओं से मुलाकात करेंगी, संसदीय चुनावों के लिए पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेंगी। मायावती अपने प्रवास के दौरान दोनों राज्यों के पार्टी नेताओं से मुलाकात के बाद वह राजस्थान और मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनावों पर भी ध्यान केंद्रित करेंगी। जानकारी के अनुसार राज्य में पार्टी के अभियान की औपचारिक शुरुआत करने के लिए वह जल्द ही हरियाणा में एक रैली कर सकती हैं। जब वह बसपा की पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ इकाइयों के पार्टी नेताओं से मिलीं, तो उन्होंने हरियाणा में अपने लोगों से विधानसभा चुनावों के लिए तैयार रहने को कहा। मायावती का कहना था कि, भाजपा गठबंधन सरकार में आपसी मतभेद के चलते पैदा हुई राजनीतिक अस्थिरता को देखते हुए समय से पहले ये चुनाव हो सकते हैं। वहीं हरियाणा में पार्टी की संभावनाओं को आगे बढ़ाने और युवा नेताओं को प्रोत्साहित राजबीर सोरखी को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है।

लोकसभा चुनाव के लिए पंजाब में बसपा का शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन है। मायावती ने इस तथ्य पर जोर दिया कि पंजाब वह राज्य है जहां से बसपा संस्थापक कांशीराम रहे थे। इसके बाद वह राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के पार्टी नेताओं से मिल सकती हैं, जहां विधानसभा चुनाव होने हैं। यहां बसपा ने चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इन राज्यों में 2018 में हुए विधानसभा चुनावों में बीएसपी ने राजस्थान में चार और एमपी और छत्तीसगढ़ में दो-दो सीटें जीती थीं। हालांकि, पार्टी ने तेलंगाना में कोई सीट नहीं जीती, लेकिन 3 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल किए। पार्टी इस बार चारों राज्यों में अपना प्रदर्शन बेहतर करना चाहती है और इसके लिए मायावती स्थानीय नेताओं के साथ रणनीति बनाएंगी। पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद और राज्यसभा सांसद रामजी गौतम, जो चार राज्यों के केंद्रीय समन्वयक को चार राज्यों में पार्टी के लिए जमीन तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

भीषण ठंड और तूफानी हवा के बीच लेह में 15000 फीट ऊँचाई पर तैनात जवानों से देर रात मिलने पहुँचे अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। लेह में भारत-चीन सीमा पर 15 हजार फीट की ऊँचाई पर सीमा की सुरक्षा में तैनात आईटीबीपी के जवानों से मुलाकात करने के लिए केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर रात 10 बजे भीषण ठंड और तूफानी हवा के बीच जब पहुँचे तो जवानों का जोश देखने लायक था। जवानों ने केंद्रीय मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया तो मंत्री महोदय भी जवानों का हौसला बढ़ाते और उनका हालचाल लेते नजर आये। मंत्री अनुराग ठाकुर ने जवानों के साथ चाय पी और भोजन किया तथा उनके देश सेवा के जज्बे की सराहना की। इस दौरान जवानों को संबोधित करते हुए केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारत सबसे शक्तिशाली देशों में शामिल हैं और उसकी रक्षा प्रणाली और सुरक्षा बलों को मजबूत सरकार का समर्थन प्राप्त है। हम आपको बता दें कि सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने लद्दाख के दो-दिवसीय दौरे के आखिरी दिन भारत-चीन सीमा के निकट चुमार में स्थानीय लोगों के साथ-साथ सैन्यकर्मियों और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवानों से बातचीत की। अनुराग ठाकुर ने कहा कि लद्दाख के लोगों को बाहरी ताकतों के बारे में चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि सरकार ने सीमाओं की रक्षा के लिए उपयुक्त कदम उठाए हैं।

निरीक्षण समिति से बृजभूषण सिंह ने कहा- योग से मिली मदद, इसलिए महिला पहलवान को जानकारी देते हुए अपने पेट पर लगाया हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। 6 मई को पुलिस पूछताछ के दौरान भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने छह महिला पहलवानों द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न के सभी आरोपों को खारिज कर दिया। सिंह ने इन आरोपों को 'झूठा और निराधार' बताया कि उन्होंने उनकी सांस लेने की जांच करने के बहाने उनके पेट और स्तन को छुआ।

जब उन्होंने 28 फरवरी को सरकार द्वारा नियुक्त निगरानी समिति के सामने गवाही दी, तो सिंह ने तब भी सभी आरोपों से इनकार किया। उन्होंने सांस लेने के पैटर्न की जांच करने के लिए योग अभ्यास का हवाला दिया, अलग प्रशिक्षण शिविर रखने के अपने फैसले का बचाव करने के लिए धर्मग्रंथों का हवाला दिया। महिलाओं और पुरुषों और उस संसद में पारित यौन उत्पीड़न कानूनों के बारे में जागरूकता का अभाव था, जिसके वह सदस्य हैं।

सिंह के बयान की 24 पेज की प्रतिलेख निरीक्षण समिति की रिपोर्ट का एक हिस्सा है, जिसका उल्लेख दिल्ली पुलिस के आरोप पत्र में किया गया है, और इसे अनुलग्नक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। पैनल की सुनवाई के दौरान, एक पहलवान ने शिकायत की कि सिंह ने उसके 'पेट और छाती को 3-4 बार छुआ और उसके सांस लेने के तरीके पर टिप्पणी करना जारी रखा'। हालांकि, सिंह ने आरोप से इनकार किया और कहा कि सांस लेने का सही तरीका दिखाने के लिए उन्होंने अपने पेट को छुआ। सिंह ने एमसी मैरी कॉम की अगुवाई वाली समिति को बताया कि वह 'यह याद करने में असमर्थ हैं कि घटना कहां हुई थी' लेकिन एक टूर्नामेंट के दौरान, उन्होंने एक अन्य महिला पहलवान और एक कोच के साथ सोचा कि शिकायतकर्ता एक मुकाबले के दौरान गलत निर्णय क्यों ले रहा था।

भारत जैसा शांतिपूर्ण सह अस्तित्व कहीं भी देखने को नहीं मिला: मुस्लिम वर्ल्ड लीग प्रमुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुस्लिम वर्ल्ड लीग महासचिव शेख मोहम्मद बिन अब्दुलकरीम अल-इस्सा ने बुधवार को कहा कि भारत में विचार की विविधता ने उन्हें काफी प्रभावित किया और उन्होंने ऐसा शांतिपूर्ण सह अस्तित्व कहीं नहीं देखा, जैसा कि उन्हें इस देश में देखने को मिला है। यहां विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन में एक सभा को संबोधित करते हुए अल-इस्सा ने गलत धारणाओं से निपटने के लिए अंतर-धार्मिक संवाद के महत्व पर जोर दिया और कहा कि सभ्यताओं के संघर्ष को रोकने के लिए अगली पीढ़ी का बचपन के दिनों से ही संरक्षण और मार्गदर्शन करने की जरूरत है। भारत की यात्रा पर आये अल-इस्सा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। अल-इस्सा ने अरबी में कहा कि भारतीय दर्शन मानव की प्रगति में सहायक है।

उन्होंने कहा, ''भारत में विचार की विविधता ने मुझे काफी प्रभावित किया है...विश्व भारत के ज्ञान से लाभान्वित हो सकता है।'' विश्व भर में शांतिपूर्ण सह अस्तित्व को बढ़ावा देने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि एकजुट रहने की जरूरत है। अल-इस्सा ने कहा, ''हमारा मानना है कि हम एक ही पेड़ की अलग-अलग शाखाएं हैं। हमारा धर्म मानवता है। फैलाई जा रही अलग धारणा के लिए हमें एक उपाय ढूंढने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा कि एक समस्या यह है कि कुछ संगठन दावा कर रहे हैं कि ''यदि किसी ने विश्व पर शासन किया है तो वह हम हैं।''

उन्होंने कहा कि यह रुख गलत है। उन्होंने कहा, ''जब मैंने यहां धर्म गुरुओं से बातचीत की, तब उन्होंने भाईचारा, वार्ता, सहयोग और शांतिपूर्ण सहयोग के बारे में बातें कीं। इस देश में मैंने सभ्यताओं और संस्कृतियों का जैसा शांतिपूर्ण सहअस्तित्व देखा, वैसा कहीं नहीं देखा है।'' अल-इस्सा ने कहा, ''क्रूर शक्तियां सभ्यागत सर्वोच्चता की ओर नहीं ले जाती है। बल्कि यह दिलों को जीतने वाली प्रेम, मानवता और सह अस्तित्व है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

कोस्टगार्ड ने समुद्र के बीच फंसे क्रू मेम्बर को हेलिकॉप्टर की मदद से एयरलिफ्ट किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पोरबंदर ,कोस्टगार्ड ने पोरबंदर से करीब 50 किलोमीटर दूर समुद्र में फंसे कार्गो जहाज के क्रू मेम्बरों का हेलिकॉप्टर की मदद से एयरलिफ्ट किया। सभी क्रू मेम्बरों को फिलहाल पोरबंदर के अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस घटना का एक वीडियो सामने आया है। जानकारी के मुताबिक आज सुबह पोरबंदर से 50 किलोमीटर दूर एमटी सेलिबिलटन कॉपल हेन्गाल जहाज के क्रू मेम्बरों ने मदद की गुहार लगाई थी। ये क्रू मेम्बर कार्गो जहाज में अचानक तबियत बिगड़ने से फंस गए थे। सूचना मिलते ही कोस्टगार्ड हरकत में आ गए और हेलिकॉप्टर से घटनास्थल की ओर रवाना हो गए। कोस्टगार्ड के जवानों ने कार्गो जहाज में फंसे सभी क्रू मेम्बरों को एयरलिफ्ट किया। फिलहाल सभी क्रू मेम्बरों का पोरबंदर के सिविल अस्पताल में उपचार चल रहा है।

लोकसभा चुनाव से पहले गुजरात में आप को झटका, कई नेता और कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

लोकसभा चुनाव से पहले गुजरात में आम आदमी पार्टी (आप) झटका लगात है। गुरुवार को आप के कई नेता और कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल हो गए। आप से आए नेता और कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए राज्यसभा सांसद और गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि जनता की सेवा और जनहित में काम करने के लिए कांग्रेस हमेशा कार्यशील रही है। ऐसे में दूध में जैसे चीनी मिल जाती है और मिठास बढ़ जाती है उसी प्रकार आप के नेता और कार्यकर्ताओं के आने से कांग्रेस को जनता के सेवा करने के लिए शक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के भ्रष्टाचार, पेपर लीक, ब्रिज टूटने, महंगाई और चरमराती कानून व्यवस्था का खामियाजा गुजरात का नागरिक भुगत रहे हैं।

आप के प्रदेश मंत्री हरेश कोठारी, उत्तर पश्चिम अहमदाबाद जोन के पूर्व प्रमुख राजेश प्रजापति, मध्य जोन के शहर प्रमुख जाहिद एच शेख, महिला प्रदेश मंत्री रमीला डाभी, अहमदाबाद शहर मंत्री दिनेश टांक, पूर्व महामंत्री अशोक गोहिल, अहमदाबाद शहर ओबीसी प्रमुख उमेश प्रजापति, गुजरात स्टेट सोशल मीडिया इन्चार्ज हेमांग व्यास, घाटलोडिया वार्ड प्रमुख हसमुख पटेल, वटवा वार्ड संगठनमंत्री धर्मेन्द्र राजपूत, संगठन मंत्री पूर्व जोन के भरत भूत, खाडिया कॉर्पोरेशन उम्मीदवार और मध्य जोन सेक्रेटरी अयाज अहमद शेख, जमालपुर वार्ड मंत्री प्रतीक ठक्कर, घाटलोडिया वार्ड के हसमुख पटेल, अमित ओझा, हेमंत पटेल, प्रवीण डाभी, राजेस पंचाल, जैमिन प्रजापति, नीता गोस्वामी, गलतेश्वर तहसील संगठन मंत्री मलिक मुश्ताक अहमद समेत बड़ी संख्या में आए कार्यकर्ताओं का कांग्रेस में हार्दिक स्वागत है।

रिश्वतखोर तलाटी के सस्पैंड किए जाने पर बुधेल गांव में दिवाली सा माहौल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भावनगर,जिले के बुधेल गांव में दिवाली सा माहौल है और इसकी वजह से तलाटी मंत्री को सस्पैंड किया जाना। भावनगर के बुधेल गांव के तलाटी मंत्री का रिश्वत लेते हुए एक वीडियो वायरल होने के बाद उप जिला विकास अधिकारी ने उसे सस्पैंड कर दिया। इसकी खबर मिलते ही बुधेल गांव के आतिशबाजी की और मिठाई बांटकर तलाटी के सस्पैंशन के फैसले का स्वागत किया। जानकारी के मुताबिक भावनगर के बुधेल गांव निवासी हारित जोशी की बेटी प्रेक्षा का विवाह आलाप त्रिवेदी के साथ नवंबर 2022 में हुआ था। बेटी के विवाह प्रमाण पत्र के लिए हारित जोशी ने कई बार बुधेल गांव के तलाटी मंत्री जयेश डाभी से संपर्क किया। लेकिन काफी धक्के खाने के बाद विवाह प्रमाण पत्र नहीं मिला तब हारित जोशी ने वकील राजेश भट्ट से संपर्क किया। राजेश भट्ट ने तलाटी जयेश डाभी को हारित जोशी की बेटी का विवाह प्रमाण पत्र देने को कहा। उस वक्त जयेश डाभी ने कहा कि वर-कन्या, गवाह और पंडित के प्रत्यक्ष हाजिर होने पर ही विवाह का पंजीकरण किया जाएगा। अगर ऐसा नहीं करना है तो 4000 रुपए दे दो। इसके बाद वकील राजेश भट्ट ने तलाटी जयेश भट्ट को रुपए लेने भावनगर कोर्ट के बाहर बुलाया। जहां तलाटी जयेश डाभी को रु 4000 की रिश्वत लेने का वीडियो बनाया और फिर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस वीडियो को जिला पंचायत कचहरी ने गंभीरता से लिया। भावनगर के उप जिला विकास अधिकारी जेआर सोलंकी ने तलाटी मंत्री जयेश डाभी को तुरंत सस्पैंड करते हुए पालीताणा हेडक्वार्टर में तबादला कर दिया है। तलाटी जयेश डाभी को सस्पैंड किए जाने से खुश बुधेल गांव के लोगों ने दिवाली और मिठाइयां बांटी।

वयस्कों के बीच शादी की लालच में शारीरिक संबंध बनाना दुष्कर्म नहीं : गुजरात हाईकोर्ट

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात हाईकोर्ट ने दुष्कर्म केस में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। फैसले में कहा गया है कि वयस्कों के बीच शादी की लालच में शारीरिक संबंध बनाना दुष्कर्म नहीं है। इसलिए ऐसे मामलों में धारा 376 के तहत केस दर्ज नहीं किया जा सकता। दरअसल अहमदाबाद में रहने वाले अलग अलग राज्यों के महिला और पुरुष ने शारीरिक संबंध बनाए थे। दूसरी बार प्रेमप्रसंग में पड़ी महिला ने दोबारा शादी की लालच में पुरुष के साथ शारीरिक संबंध बनाए। लेकिन जब पुरुष ने शादी से इंकार कर दिया तो महिला ने उसके खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करवा दी। गुजरात हाईकोर्ट ने इस पर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि वयस्कों के बीच शादी की लालच में बनाए गए शारीरिक संबंधों को दुष्कर्म नहीं माना जा सकता। कोई भी वयस्क शादी की लालच में यू समर्पण नहीं कर सकता। हाईकोर्ट ने कहा कि दोनों ही वयस्क हैं इसलिए ऐसे मामलों में धारा 376 के तहत दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज नहीं की जा सकती। शारीरिक संबंध बनाने के बाद शादी नहीं होती तो उसके लिए दुष्कर्म की एफआईआर दर्ज नहीं हो सकती।

दो बच्चों के अपहरण के मामले में पुलिस ने नाबालिग समेत 4 लोगों को किया गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद ,शहर की नारणपुरा क्षेत्र में दो बच्चों के अपहरण की घटना सामने आई है। घटना के बाद हरकत में आई पुलिस ने एक नाबालिग समेत 4 लोगों को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के नारणपुरा क्षेत्र में प्रीत कोन्ट्रेक्टर और जील उपाध्याय नामक दो बच्चों का कृणाल उर्फ करण उर्फ केडी राजपूत, शकीलखान पठान, मनीष भाभोर ने अपहरण कर लिया था। जिसके बाद दोनों बच्चों के परिवार से रु 10 करोड़ की फिरौती मांगी थी। बच्चों का अपहरण कर आरोपी दाहोद के लिए रवाना हुए थे। लेकिन पिपलोद टोल टेक्स पर टेक्स भरने के लिए रुपए नहीं होने से गाड़ी पिपलोद गांव में ले गई। जहां गाड़ी फंस गई और मौका मिलते ही अपहृत बच्चे वहां से भागकर स्थानीय ग्रामीण के पास पहुंच गए और उन्हें वास्तविकता से अवगत कराया। जिसके बाद ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपियों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों ने एक नाबालिग भी शामिल है। जांच में पता चला कि आरोपी और अपहृत बच्चे सोशल मीडिया के जरिए एक-दूसरे के परिचित हैं। दूसरी ओर आरोपी केडी राजपूत और शकीलखान साले-बहनोई हैं। आरोपियोंने किस वजह से अपहरण की घटना को अंजाम दिया और उनकी आगे की क्या योजना थी? इस दिशा में पुलिस ने जांच शुरूकी है।

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com